मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 34
रविवार, 09 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा JPSC का मामला, PIL में स्वतंत्र जांच और परीक्षा रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, 08 अगस्त। झारखंड सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 में कथित अनियमितताओं का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। परीक्षा प्रक्रिया में उठ रहे सवालों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता हरीशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दाखिल की है। याचिका में परीक्षा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने, कथित अनियमितताओं की जांच CBI या स्वतंत्र समिति से कराने और विवादित प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने की मांग की गई है। याचिका में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र समिति गठित करने की भी मांग की गई है, ताकि परीक्षा से जुड़े आरोपों की समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से

जांच हो सके।

PIL में केवल परीक्षा रद्द करने की मांग ही नहीं की गई है, बल्कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की जांच और स्वतंत्र ऑडिट की मांग उठाई गई है। इसमें डटफ शीट की स्कैनिंग, कोडिंग, मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने की पूरी व्यवस्था को जांच के दायरे में रखने की अपील की गई है। याचिकाकर्ता ने यह पता लगाने की मांग की है कि परीक्षा में कथित तौर पर सही तरीके से सफल हुए उम्मीदवारों और गलत तरीके से लाभ पाने वाले उम्मीदवारों के बीच अंतर करने के लिए उपलब्ध रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों का इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं।

परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद एक सफल उम्मीदवार की डटफ कार्बन कॉपी सोशल मीडिया पर सामने आने के दावे के बाद विवाद ने तूल पकड़ा। आरोप लगाया गया कि उम्मीदवार ने पेपर-1 में 100 में से केवल 48 सवालों के जवाब दिए थे, इसके बावजूद वह सफल उम्मीदवारों की सूची में शामिल हो गया। हालांकि, यह आरोप जांच का विषय है और किसी उम्मीदवार के संबंध में अंतिम निष्कर्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही निकाला जा सकता है। इसी मामले को लेकर परीक्षा की OMR प्रक्रिया और मूल्यांकन व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। JPSC की ओर से सफल उम्मीदवारों से Paper-I और Paper-II की डटफ कार्बन कॉपी मांगे जाने की जानकारी भी सामने आई है, ताकि रिकॉर्ड का मिलान कर स्थिति स्पष्ट की जा सके। याचिका में परीक्षा से जुड़े सभी कागजी और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का आदेश देने की मांग की गई है। इनमें डटफ शीट, उम्मीदवारों की कार्बन कॉपी, प्रश्नपत्र, आंसर की, अटेंडेंस शीट, बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, CCTV फुटेज, परीक्षा केंद्रों की रिपोर्ट, स्कैनिंग रिकॉर्ड और रिजल्ट तैयार करने से संबंधित डिजिटल डेटा समेत अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं। याचिकाकर्ता का तर्क है कि जब तक कथित अनियमितताओं की पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक परीक्षा से जुड़े किसी भी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखना जरूरी है, ताकि बाद की जांच में साक्ष्यों की कमी न हो। परीक्षा को लेकर विवाद के बीच रांची में छात्रों का आंदोलन भी जारी है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी स्वतंत्र जांच और भर्ती प्रक्रिया में बदलाव समेत अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

यूपीआई यूजर्स के लिए बड़ी राहत, सरकार ने साफ किया- पेमेंट पर नहीं लगेगी कोई फीस

नई दिल्ली, 08 अगस्त। यूपीआई से भुगतान करने वाले करोड़ों लोगों के लिए राहत की खबर है। UPI पेमेंट पर संभावित फीस को लेकर चल रही चचाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने शनिवार को साफ किया कि आम यूजर्स से UPI ट्रांजैक्शन के लिए कोई फीस नहीं ली जाएगी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पर्सन-टू-पर्सन (P2P) ट्रांजैक्शन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे। वहीं, मर्चेंट्स के मामले में भी ज्यादातर वढक ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। सरकार ने कहा है कि अगर भविष्य में MDR लागू किया जाता है तो यह केवल तय सीमा से अधिक कारोबार करने वाले मर्चेंट्स पर लागू होगा और इसकी दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड के मुकाबले काफी कम रखी जाएगी।

UPI आज रोजमर्रा के भुगतान का सबसे आसान माध्यम बन चुका है। सब्जी खरीदने से लेकर

ऑनलाइन शॉपिंग, बिल भुगतान और एक-दूसरे को पैसे भेजने तक बड़ी संख्या में लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में UPI पर फीस लगने की खबरों से आम यूजर्स के बीच चिंता पैदा हुई थी। वित्त मंत्रालय ने अब साफ कर दिया है कि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को UPI के जरिए पैसे भेजने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। यानी दोस्त को पैसे भेजना, परिवार के सदस्य को रकम ट्रांसफर करना या अपने किसी दूसरे बैंक खाते में UPI के जरिए भुगतान करना पहले की तरह मुफ्त रहेगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि मर्चेंट्स से जुड़े ज्यादातर UPI ट्रांजैक्शन भी मुफ्त रहेंगे। यदि MDR व्यवस्था लागू की जाती है तो केवल एक निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वाले मर्चेंट्स पर मामूली शुल्क लगाने का प्रावधान हो सकता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, संभावित MDR की दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड से काफी कम होगी। मौजूदा समय में क्रेडिट कार्ड पर MDR आमतौर पर 1 से 3 फीसदी तक बताया जाता है, जबकि डेबिट कार्ड पर यह ट्रांजैक्शन वैल्यू का करीब 0.9 फीसदी तक हो सकता है।

ना घट रही माइलेज ना हो रहा नुकसान, ई20 विवाद के बीच सरकारी तेल कंपनियों का दावा

नई दिल्ली, 08 अगस्त। देश भर में हुए टेस्ट के बाद तेल कंपनियों ने कहा कि E20 पेट्रोल की क्वालिटी तय मानकों के दायरे में है और इसमें मिलावट की आशंकाएं बेबुनियाद हैं। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) ने शुक्रवार को कहा कि E20 पेट्रोल के देशव्यापी टेस्ट में ज्यादा नमी या क्लोराइड के कारण होने वाली खराबी का कोई सबूत नहीं मिला है। इससे केंद्र सरकार की इथेनॉल-ब्लेंडिंग पॉलिसी को लेकर जताई जा रही चिंताओं को चुनौती मिली है। टेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पूरी सप्लाई चेन में फ्यूल की क्वालिटी तय सीमाओं के भीतर रही, जबकि पुरानी गाड़ियों के लिए ब्लेंडेड फ्यूल के उपयुक्त होने और माइलेज पर इसके असर को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा कि केंद्र सरकार ने ब्लेंडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले इथेनॉल में क्लोराइड की मात्रा के लिए नियम तय किए हैं। बयान के अनुसार, नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए रिफाइनरियों, डिस्टिलरियों, डिपो, टर्मिनल और रिटेल आउटलेट्स पर लगातार निगरानी की व्यवस्था लागू की गई थी।

इसके अलावा, हर रिटेल आउटलेट पर दिन में 8-12 बार पानी की मिलावट और घनत्व (डेंसिटी) की जांच करके, मोबाइल फ्यूल क्वालिटी टेस्टिंग लैब तैनात करके और फ्यूल लैब के जरिए नतीजों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करके क्वालिटी की निगरानी को और मजबूत किया गया है। इसलिए, तीनों कंपनियों ने बताया कि इस प्रक्रिया में पूरी सप्लाई चेन शामिल थी और इस बात पर जोर दिया कि ईंधन की गुणवत्ता लगातार तय सीमाओं के भीतर बनी हुई है। रिफाइनरी से लिए गए 100 से ज्यादा पेट्रोल सैंपल में क्लोराइड का लेवल 1 पार्ट पर मिलियन या उससे कम पाया गया, जबकि पिछले 10 दिनों में 80 डिस्टिलरी से लिए गए इथेनॉल सैंपल में क्लोराइड की मात्रा 3 स्त्रस्ते से कम पाई गई। OMCs ने बताया कि देश भर के डिपो और टर्मिनल से लिए गए 80 से ज्यादा सैंपल में भी क्लोराइड की मात्रा 3 स्त्रस्ते से कम पाई गई। OMCs ने कहा कि रिटेल आउटलेट पर पिछले कुछ दिनों में टेस्ट किए गए 160 से ज्यादा E20 सैंपल में क्लोराइड का लेवल 0-3 ppm की रेंज में पाया गया, जो कई सौ ppm होने के दावों के उलट है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 08 अगस्त। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना करते हुए कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं था। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को असली देशभक्त बताया और बीजेपी नेताओं को गद्दार करार दिया। उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस ने देश के लिए कुछ नहीं किया है। आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं रहा। क्या आरएसएस का कोई सदस्य देश की आजादी के लिए कभी जेल गया है? क्या बीजेपी के किसी वफादार ने जेल की सजा काटी है? दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना करते हुए कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं था। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को असली देशभक्त बताया और बीजेपी नेताओं को गद्दार करार दिया। उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस ने देश के लिए कुछ नहीं किया है। आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं रहा। क्या आरएसएस का कोई सदस्य देश की आजादी के लिए कभी जेल गया है? क्या बीजेपी के किसी वफादार ने जेल की सजा काटी है? खड़गे ने कहा कि अगर कुछ लोग गए भी होंगे, तो वे शायद ऐसे लोग रहे होंगे जो पहले कांग्रेस में थे और बाद में उस तरफ चले गए। लेकिन बीजेपी के किसी असली सदस्य ने उस आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया। यह उनका इतिहास है, फिर भी वे हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाते रहते हैं। सच तो यह है कि असली देशभक्त हम हैं। वे तो देश छोड़कर भागने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी से डरेगी या घबराएगी नहीं। उन्होंने कहा कि इसीलिए कांग्रेस न तो किसी से डरेगी और न ही कोई उन्हें डरा सकता है।खड़गे ने भारत के आजादी के इतिहास में 8 अगस्त के महत्व को याद करते हुए महात्मा गांधी द्वारा 8 अगस्त 1942 को शुरू किए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने 'करो या मरो' और 'भारत छोड़ो' का नारा दिया, जिससे लोग एकजुट हुए और ब्रिटिश शासन में डर पैदा हो गया। आखिरकार, लोगों ने अंग्रेजों को देश से बाहर खदेड़ दिया, और कितनी खुशी की बात है कि आज ही के दिन यहां इतनी बड़ी जनसभा हो रही है।

कांग्रेस नेता ने बीजेपी-आरएसएस पर मंदिर के दान में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, जिसमें अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर का दान भी शामिल है।

उन्होंने दावा किया कि बीजेपी आरएसएस के लोग धर्म के नाम पर लूट-खसोट कर रहे हैं। चाहे केदारनाथ धाम हो, बद्रीनाथ धाम हो या राम मंदिर, वे हर जगह लूट रहे हैं। जो लोग मंदिरों में चढ़ावे की चोरी करते हैं, वे ही दूसरों को भगवान का विरोधी बताते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे संसद में इन मुद्दों को उठाने की कोशिश करते हैं, तो अक्सर BJP सांसद उसमें बाधा डालते हैं।

अभिषेक बनर्जी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता हाईकोर्ट के विदेश जाने की अनुमति न देने के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली, 08 अगस्त। तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अभिषेक बनर्जी की वह याचिका बुधवार को खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा था कि डायमंड हार्बर के सांसद अपनी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कराने के लिए अगले दिन सरकारी एसएसकेएम (सेठ सुखलाल करनानी मेमोरियल) अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के समक्ष पेश होने को तैयार नहीं थे। उच्च न्यायालय ने उनकी अर्जी खारिज करते हुए कहा था, याचिकाकर्ता (बनर्जी) ने कहा कि

वह कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के समक्ष पेश नहीं होंगे और इसके मद्देनजर अदालत का मानना है कि इस याचिका के जरिये उठाए गए मामले को अब और लंबित रखने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने कहा था कि यदि बनर्जी मेडिकल बोर्ड के समक्ष पेश होते तो चिकित्सा विशेषज्ञों की राय के आधार पर यह समीक्षा की जा सकती थी कि उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की जरूरत है या नहीं।

यूक्रेन का रूस के तेल ठिकानों पर ड्रोन अटैक, जवाबी रूसी हमले में 4 लोगों की मौत

रूस, 08 अगस्त। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन ने रूस की ऊर्जा व्यवस्था पर एक और बड़ा हमला किया है। रूस के समारा क्षेत्र में स्थित सिजरान ऑयल रिफाइनरी को ड्रोन हमले में निशाना बनाए जाने की खबर है। हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में आग लग गई और कई जगहों से धुआं उठता दिखाई दिया। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने भी सिजरान और इल्स्की रिफाइनरियों को निशाना बनाए जाने की पुष्टि की है। रिपोर्टों के मुताबिक, 7 और 8 अगस्त की रात रूस के कई इलाकों में ड्रोन हमले हुए। इसी दौरान समारा क्षेत्र के सिजरान स्थित तेल रिफाइनरी

को भी निशाना बनाया गया। इसके जवाब में यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के क्षेत्र में रूस के हमलों में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। शनिवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के ब्रोवरी जिले में रूसी ड्रोन हमलों से एक मकान ध्वस्त हो गया, जिसमें दो बुजुर्ग दंपति और उनके तीन वर्षीय पोते की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि कीव में "नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर छह बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले" में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मक्का की डील से बदलेगा पश्चिम एशिया या फिर यह सिर्फ कागजी गठबंधन साबित होगा?

-अजय कुमार

मक्का में सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुआ संयुक्त रक्षा समझौता सिर्फ तीन देशों की सैन्य साझेदारी नहीं है। यह उस पश्चिम एशिया की बदलती तस्वीर का संकेत है, जहां पुराने सुरक्षा समीकरण तेजी से टूट रहे हैं और नए शक्ति-केंद्र आकार ले रहे हैं। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यही है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमला माना जाएगा। कागज पर यह व्यवस्था बेहद मजबूत दिखती है, लेकिन असली सवाल यह है कि युद्ध की घड़ी आने पर क्या रियाद, अंकारा और इस्लामाबाद एक-दूसरे के लिए अपने सैनिक और अपनी अर्थव्यवस्था जोखिम में डालेंगे? इसी सवाल में इस समझौते की असली कहानी छिपी है। इसे तुरंत इस्लामिक नाटो कहना जल्दबाजी होगी। नाटो की ताकत केवल इस बात में नहीं है कि एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है, बल्कि उसके पीछे दशकों से विकसित संयुक्त कमान, सैन्य योजना, खुफिया ढांचा, अंतर-संचालन और साझा रक्षा प्रतिबद्धताएं हैं। मक्का समझौते में फिलहाल ऐसी संस्थागत गहराई दिखाई नहीं देती। इसलिए इसे नाटो की प्रतिकृति कहने के बजाय तीन देशों के बीच सामरिक प्रतिरोध बनाने की कोशिश कहना ज्यादा सही होगा। फिर भी इसे हल्का समझना भी बड़ी भूल होगी। तीनों देशों की ताकतें अलग-अलग हैं और यही इस गठबंधन की सबसे बड़ी उपयोगिता है। तुर्किए के पास तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और बड़ा सैन्य ढांचा है। सऊदी अरब के पास विशाल वित्तीय संसाधन और ऊर्जा संपदा है। पाकिस्तान के पास दशकों का सैन्य अनुभव, बड़ी स्थायी सेना और परमाणु क्षमता है। 2025 में तुर्किए का सैन्य खर्च करीब 30 अरब डॉलर, पाकिस्तान का 11.9 अरब डॉलर और सऊदी अरब का 83.2 अरब डॉलर रहा। उसी साल भारत का सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर था। यानी तीनों देशों की सैन्य क्षमताएं जोड़ने पर तस्वीर गंभीर जरूर बनती है, लेकिन इसे एकीकृत सैन्य शक्ति समझ लेना अभी गलत होगा।

सबसे दिलचस्प पक्ष सऊदी अरब है। रियाद वर्षों तक अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया के लगातार बदलते समीकरणों ने सऊदी नेतृत्व को यह समझा दिया है कि केवल अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। ईरान के साथ तनाव, यमन में हूती खतरा, लाल सागर की अस्थिरता और तेल प्रतिष्ठानों पर संभावित हमले ने सऊदी सुरक्षा सोच को बदल दिया है। इसलिए पाकिस्तान और तुर्किए के साथ सुरक्षा सहयोग रियाद के लिए वैकल्पिक सुरक्षा परत तैयार करने का प्रयास भी है। लेकिन यहीं पहला विरोधाभास सामने आता है। सऊदी अरब का सबसे बड़ा हित युद्ध जीतना नहीं, स्थिरता बनाए रखना है। उसका पूरा आर्थिक परिवर्तन कार्यक्रम तेल से आगे निकलकर पर्यटन, निवेश, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर टिका है। लंबी क्षेत्रीय जंग उसके इस एजेंडे को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए अगर कभी पाकिस्तान या तुर्किए ऐसा संघर्ष शुरू करते हैं जिसमें सऊदी हित सीधे शामिल नहीं हैं, तो क्या रियाद वास्तव में सैन्य हस्तक्षेप करेगा? समझौते की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी। तुर्किए का मामला और जटिल है। अंकारा की विदेश नीति किसी एक खेमे में पूरी तरह बंधी हुई नहीं रही है। वह नाटो का सदस्य है, लेकिन रूस के साथ भी उसके रिश्ते हैं। सीरिया, लीबिया, कॉकस और पूर्वी भूमध्यसागर में उसके अपने रणनीतिक हित हैं। तुर्किए सऊदी अरब के साथ संबंध सुधार चुका है, लेकिन दोनों देशों की क्षेत्रीय प्राथमिकताएं हमेशा एक जैसी नहीं रहीं। इसलिए, अंकारा किसी ऐसे युद्ध में अपने सैनिक झोंकने से पहले दस बार सोचेगा जिसमें उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित दांव पर न हों। पाकिस्तान के लिए यह समझौता शायद सबसे अधिक रणनीतिक महत्व रखता है। इस्लामाबाद लंबे समय से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करता रहा है और तुर्किए के साथ भी सैन्य सहयोग बढ़ा है। लेकिन पाकिस्तान की सुरक्षा प्राथमिकता पश्चिम एशिया नहीं, भारत और अफगानिस्तान से जुड़े खतरे हैं। उसकी अर्थव्यवस्था भी लंबे समय से दबाव में है। इसलिए पाकिस्तान को इस गठबंधन से राजनीतिक और सामरिक समर्थन मिल सकता है, लेकिन वह एक साथ कई मोर्चों पर बड़ी सैन्य प्रतिबद्धता निभा पाएगा या नहीं, यह बड़ा प्रश्न है। सबसे संवेदनशील मुद्दा पाकिस्तान की परमाणु क्षमता है। पाकिस्तान दुनिया का एकमात्र मुस्लिम-बहुल परमाणु हथियार संपन्न देश है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी परमाणु क्षमता किसी सहयोगी के लिए सुरक्षा छतरी बन जाएगी। परमाणु हथियार राष्ट्रीय अस्तित्व और प्रतिरोध की अंतिम क्षमता होते हैं। उन्हें किसी बहुपक्षीय सैन्य समझौते के तहत साझा करना बेहद अलग स्तर की प्रतिबद्धता होगी। इसलिए मक्का समझौते को परमाणु गठबंधन मानना अभी तथ्यों से आगे निकल जाना होगा। ईरान की प्रतिक्रिया इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग से जुड़े इब्राहिम रजाई ने इसे सऊदी सुरक्षा की गारंटी न देने वाला कागजी समझौता बताया है। यह बयान बताता है कि तेहरान इस समझौते को केवल कूटनीतिक समारोह नहीं मान रहा। ईरान के लिए चिंता यह है कि उसके सामने अब अलग-अलग देशों की बजाय संभावित रूप से समन्वित सुरक्षा व्यवस्था खड़ी हो रही है।

हालांकि सऊदी अरब और तुर्किए दोनों ने यह संकेत दिया है कि समझौता किसी देश या सांप्रदायिक सैन्य धुरी के खिलाफ नहीं है। इसका घोषित उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बढ़ाना है। यही बात महत्वपूर्ण है, क्योंकि अगर यह समझौता खुले तौर पर ईरान विरोधी गठबंधन बन जाता है तो पश्चिम एशिया में ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण चिंता पाकिस्तान नहीं, बल्कि ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। 2025 की पहली छमाही में यहां से औसतन 2.09 करोड़ बैरल प्रतिदिन तेल और पेट्रोलियम तरल पदार्थ गुजरे, जो वैश्विक पेट्रोलियम तरल खपत के लगभग 20 प्रतिशत के बराबर था। होर्मुज से गुजरने वाले कच्चे तेल और कंडेंसेट का करीब 89 प्रतिशत एशियाई बाजारों की ओर जाता है और चीन, भारत, जापान तथा दक्षिण कोरिया मिलकर इसका लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा लेते हैं यानी पश्चिम एशिया की कोई भी बड़ी सैन्य भिड़ंत सीधे एशिया की अर्थव्यवस्था तक पहुंच सकती है। भारत की चिंता इसलिए, केवल पाकिस्तान-तुर्किए-सऊदी सैन्य समीकरण तक सीमित नहीं रह सकती। समुद्री बीमा महंगा हुआ, जहाजों ने रास्ता बदला और तेल की आपूर्ति बाधित हुई तो उसका असर पेट्रोल-डीजल से लेकर विमान ईंधन, परिवहन, खाद और उद्योग तक पहुंच सकता है। भारत-सऊदी आर्थिक रिश्ता भी इतना बड़ा है कि नई स्थिति को केवल सुरक्षा के चश्मे से देखना ठीक नहीं होगा। 2023-24 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 43.37 अरब डॉलर था और सऊदी अरब भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख स्रोतों में रहा। भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग भी लगातार बढ़ा है, जिसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा संवाद शामिल हैं यही कारण है कि भारत ने मक्का समझौते पर जल्दबाजी में कोई कठोर प्रतिक्रिया देने के बजाय घटनाक्रम पर करीबी नजर रखने का रुख अपनाया है। यह भारत की रणनीतिक परिपक्वता है। नई दिल्ली के लिए सऊदी अरब केवल पाकिस्तान का सहयोगी नहीं है; वह ऊर्जा, निवेश, प्रवासी भारतीयों और पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है। इसलिए भारत को पाकिस्तान-केंद्रित प्रतिक्रिया से बचकर पूरे पश्चिम एशियाई समीकरण को देखना होगा इस समझौते की सबसे बड़ी कमजोरी भी यही है। तीनों देशों के हित हर मुद्दे पर एक जैसे नहीं हैं। सऊदी अरब ईरान के साथ तनाव कम करने के रास्ते भी खुले रखना चाहता है। तुर्किए अपनी स्वतंत्र क्षेत्रीय भूमिका बनाए रखना चाहता है। पाकिस्तान भारत और अफगानिस्तान पर केंद्रित है। ऐसे में ह्यएक पर हमला, सभी पर हमलाह्ण की घोषणा राजनीतिक संदेश तो दे सकती है, लेकिन हर युद्ध में समान सैन्य प्रतिक्रिया सुनिश्चित नहीं करती।

इतिहास बताता है कि गठबंधन घोषणाओं से नहीं, संकट की घड़ी में लिए गए फैसलों से मजबूत होते हैं। अगर आने वाले वर्षों में तीनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया साझेदारी, रक्षा उत्पादन, मिसाइल रक्षा, समुद्री सुरक्षा और साझा कमान जैसी व्यवस्थाएं विकसित करते हैं तो मक्का समझौता सचमुच एक नई सुरक्षा संरचना की नींव बन सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह भी उन अनेक समझौतों की सूची में शामिल हो जाएगा, जिनकी भाषा बड़ी थी लेकिन युद्ध की वास्तविकता के सामने उनकी ताकत सीमित साबित हुई। इसलिए मक्का की डील को न तो इस्लामिक नाटो का जन्म मानना चाहिए और न ही इसे महज कागज का टुकड़ा समझना चाहिए। असली कहानी अभी शुरू हुई है। पश्चिम एशिया में शक्ति का संतुलन बदल रहा है, ईरान दबाव में है, सऊदी अपनी सुरक्षा नीति को फिर से गढ़ रहा है, तुर्किए अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और पाकिस्तान नए सामरिक सहारे तलाश रहा है। भारत के लिए संदेश साफ है कि पश्चिम एशिया में अब केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की नीति पर्याप्त नहीं होगी। ऊर्जा, समुद्री मार्ग, खाड़ी की राजनीति और पाकिस्तान-तुर्किए-सऊदी सैन्य साझेदारी को एक ही रणनीतिक फ्रेम में देखना होगा। क्योंकि आने वाले समय में लड़ाई केवल सीमाओं पर नहीं होगी; उसकी कीमत तेल, व्यापार और समुद्री रास्तों से भी चुकानी पड़ सकती है।

पंजाब की सियासी बिसात पर नए मोहरे: मोदी-बादल मुलाकात और राहुल के 'कैप्टन मोह' के निहितार्थ

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति में पंजाब हमेशा से एक ऐसा राज्य रहा है जिसकी राजनीतिक हवाएं पूरे देश के मिजाज को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। सीमावर्ती सूबा होने के नाते यहाँ की राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक ताना-बाना और दिल्ली के साथ इसके रिश्ते हमेशा से राष्ट्रीय सुरक्षा और नीति-निर्धारण के केंद्र में रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में आम आदमी पार्टी के उदय के बाद पंजाब की पारंपरिक द्विदलीय राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है और मुख्यधारा के दल अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए छटपटा रहे हैं। ऐसे में, दिल्ली के राजनीतिक गलियारों से एक के बाद एक आए दो बड़े घटनाक्रमों ने पंजाब की सुलगती सियासत में घी डालने का काम किया है। पहली बड़ी घटना संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बीच हुई औचक और बेहद गोपनीय मुलाकात है। इसके ठीक बाद, कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक हल्के-फुल्के सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को भाजपा में अपना सबसे पसंदीदा राजनेता बताकर सबको चौंका दिया। इन दोनों प्रसंगों ने केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पंजाब की राजनीति की अंतधारांओं में एक नया ध्रुवीकरण शुरू कर दिया है, जिसके दूरगामी परिणाम आने वाले चुनावों में देखने को मिलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुखबीर सिंह बादल की इस मुलाकात के क्रोनोलॉजी और इसके पीछे की कूटनीति को समझना बेहद जरूरी है। सितंबर 2020 में जब केंद्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानून लाए गए थे, तब देशव्यापी किसान आंदोलन के भारी दबाव के चलते अकाली दल को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अपना ढाई दशक पुराना नाता तोड़ना पड़ा था। वह अलगाव केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि उसने पंजाब के ग्रामीण और सिख मतदाताओं के बीच अकाली दल की साख को भारी नुकसान पहुंचाया था। 2022 के विधानसभा चुनावों में दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा और परिणाम यह हुआ कि दोनों पार्टियां हाशिए पर चली गईं। अकाली दल मात्र तीन सीटों पर सिमट गया और भाजपा को सिर्फ दो सीटों से संतोष करना पड़ा। हालिया आंतरिक सर्वेक्षणों और जमीन से आ रही रिपोर्टों ने सुखबीर बादल को यह अहसास करा दिया है कि ग्रामीण पंजाब में कट्टरपंथी और पंथक ताकतों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अकाली दल का पारंपरिक वोट बैंक खिसक रहा है। ऐसी स्थिति में, अकेले चुनाव लड़कर सत्ता में वापसी करना अकाली दल के लिए एक असंभव चुनौती बन चुका था।

सूत्रों के मुताबिक, इस गतिरोध को तोड़ने और प्रधानमंत्री मोदी के साथ सुखबीर बादल की इस मुलाकात की पटकथा लिखने में पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। गुरुवार की देर रात प्रधानमंत्री कार्यालय से सुखबीर बादल को फोन जाना और अगले ही दिन दिल्ली में यह बैठक होना साफ संकेत देता है कि पर्दे के पीछे की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। हालांकि, दोनों ही दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इस बैठक को एक अनौपचारिक और पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर आधारित शिष्टाचार भेंट बताया है, लेकिन राजनीति में कोई भी मुलाकात बिना किसी ठोस निहितार्थ के नहीं होती। सुखबीर बादल ने प्रधानमंत्री के सामने भगवंत मान सरकार की कथित प्रशासनिक विफलता, राज्य में चरमराती कानून-व्यवस्था, नशीली दवाओं की बढ़ती समस्या, भर्ती परीक्षाओं में हो रहे पेपर लीक और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप जैसे गंभीर मुद्दों को रखा। लेकिन इस रणनीतिक संवाद का असली मकसद पंजाब के शहरी हिंदू मतदाताओं (जो भाजपा की ताकत हैं) और ग्रामीण सिख मतदाताओं (जो अकाली दल का आधार रहे हैं) के पुराने सामाजिक-राजनीतिक गठजोड़ को पुनर्जीवित करना है, जिसने दशकों तक पंजाब को एक स्थिर शासन दिया था।

अभी राजनीतिक पंडित इस संभावित 'घर वापसी' के नफा-नुकसान का गणित लगा ही रहे थे कि राहुल गांधी के एक बयान ने राष्ट्रीय और प्रांतीय मीडिया की सुर्खियां बदल दीं। नई पीढ़ी के मतदाताओं और छात्रों के साथ इंस्टाग्राम पर आयोजित एक संवाद सत्र 'आस्क मी एनीथिंग' में जब राहुल गांधी से पूछा गया कि भाजपा में उनका सबसे पसंदीदा राजनेता कौन है, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिया। राहुल ने न केवल कैप्टन को बेहद ₹कूलर इंसान बताया बल्कि सैन्य इतिहास के क्षेत्र में उनके गहन ज्ञान की भी जमकर तारीफ की और हंसते हुए हेलो, अंकल अमरिंदर कहकर संबोधित किया। पहली नजर में यह एक बेहद अनौपचारिक और मानवीय टिप्पणी लग सकती है, लेकिन जब राजनीति के उच्चतम स्तर पर ऐसा कोई बयान आता है, तो उसके राजनीतिक संदेश बहुत गहरे होते हैं। यह वही कैप्टन अमरिंदर सिंह हैं जिन्हें 2021 में पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस आलाकमान ने बेहद अपमानजनक तरीके से मुख्यमंत्री पद से हटाया था, जिसके बाद उन्होंने भारी मन से कांग्रेस छोड़ी और अंततः भाजपा का दामन थाम लिया था।

राहुल गांधी का यह 'कैप्टन मोह' ऐसे समय में सामने आया है जब पंजाब कांग्रेस के भीतर अंदरूनी गुटबाजी और कलह एक बार फिर चरम पर है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और अन्य गुटों के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान जारी है। राहुल गांधी के इस बयान ने राज्य के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और वर्तमान प्रांतीय नेताओं के बीच एक अजीब सी असहजता और दुविधा पैदा कर दी है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी इस पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी की बड़प्पन की तारीफ की और याद दिलाया कि गांधी परिवार और पटियाला राजघराने के बीच के संबंध राजनीतिक उतार-चढ़ाव से परे हैं। कैप्टन और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी दून स्कूल में सहपाठी और गहरे दोस्त थे, और यह पारिवारिक वफादारी आज भी बची हुई है। हालांकि, कैप्टन ने तुरंत यह स्पष्ट कर दिया कि वे वैचारिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के प्रति समर्पित हैं, लेकिन इस बयान ने यह साबित कर दिया है कि पंजाब की राजनीति में व्यक्तिगत संबंध आज भी राजनीतिक सीमाओं को लांघने की ताकत रखते हैं।

इन दोनों घटनाओं के समानांतर होने से पंजाब की राजनीति में एक त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबले की नई तस्वीर उभर रही है। वर्तमान में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार पर पंजाब के फंड रोकने और ग्रामीण विकास कोष को फ्रीज करने का आरोप लगाकर लगातार क्षेत्रीय अस्मिता का कार्ड खेल रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार अपनी मुफ्त बिजली और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के दम पर जमीन मजबूत बनाए रखने का दावा कर रही है, लेकिन कानून-व्यवस्था और वित्तीय कुप्रबंधन के मोर्चे पर वह लगातार विपक्ष के निशाने पर है। यदि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन दोबारा जमीन पर उतरता है, तो यह सीधे तौर पर आम आदमी पार्टी के उस वोट बैंक में सेंध लगाएगा जो अकाली दल के बिखरने के बाद उनकी तरफ शिफ्ट हुआ था। भाजपा के पास पंजाब में एक कद्दावर सिख चेहरे की कमी हमेशा से खलती रही है, और राहुल गांधी द्वारा कैप्टन अमरिंदर सिंह को दी गई यह 'सर्टिफिकेट' भाजपा के लिए पंजाब के सिख और राष्ट्रवादी मतदाताओं के बीच कैप्टन की स्वीकार्यता को और मजबूत करने का हथियार बन सकती है। इस पूरे परिदृश्य का सबसे पेचीदा पहलू यह है कि पंजाब का मतदाता अब बहुत सचेत और बदलाव की ओर झुका हुआ है। वह पारंपरिक दलों के खोखले वादों और अंतिम समय में किए जाने वाले गठबंधनों को बहुत बारीकी से देखता है। अकाली दल के लिए भाजपा के साथ दोबारा जाना एक दोधारी तलवार की तरह है। एक तरफ जहां उन्हें शहरी क्षेत्रों में वित्तीय और राजनीतिक मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में उन्हें इस बात का जवाब देना होगा कि जिस भाजपा को उन्होंने किसानों का विरोधी बताकर छोड़ा था, उसके पास वे किस मजबूरी में वापस गए हैं। दूसरी ओर, भाजपा की राज्य इकाई का एक बड़ा धड़ा यह मानता है कि पार्टी को पंजाब में छोटे भाई की भूमिका से बाहर निकलकर सभी सीटों पर अकेले लड़ना चाहिए ताकि भविष्य के लिए एक स्वतंत्र आधार तैयार किया जा सके। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व व्यावहारिक राजनीति और सीमावर्ती राज्य की संवेदनशीलता को देखते हुए एक मजबूत और भरोसेमंद क्षेत्रीय साथी (अकाली दल) के साथ मिलकर चलना ज्यादा सुरक्षित समझता है।

देखा जाए तो मोदी-बादल मुलाकात और राहुल गांधी का कैप्टन अमरिंदर सिंह के प्रति उमड़ा यह प्रेम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय राजनीति अब पूरी तरह से व्यावहारिक और परिणाम-केंद्रित हो चुकी है, जहां पुरानी कड़वाहटों और वैचारिक मतभेदों की म्याद बहुत छोटी होती है। पंजाब की जनता इस समय आर्थिक मंदी, कृषि संकट, रोजगार के अभाव और युवाओं के बड़े पैमाने पर हो रहे पलायन जैसे बुनियादी संकटों से जूझ रही है। राजनीतिक दलों के ये शीर्ष स्तर के पैंतरे और बयानबाजी तब तक जमीन पर रंग नहीं लाएगी जब तक कि वे पंजाब के इन बुनियादी मुद्दों का कोई ठोस रोडमैप लेकर जनता के बीच नहीं जाएंगे। दिल्ली में होने वाली इन मुलाकातों और सोशल मीडिया पर चलने वाले इन बयानों ने पंजाब की सियासी बिसात पर मोहरे तो सजा दिए हैं और राजनीतिक हलचल को भी चरम पर पहुंचा दिया है, लेकिन इस बिसात का असली सुल्तान कौन बनेगा, इसका फैसला अंततः पंजाब के खेतों, गांवों और शहरों की वो आम जनता ही करेगी जो फिलहाल शांति से इस पूरे सियासी ड्रामे को देख रही है।

सियाहीं फेंककर विचारों को रोकने की आपराधिक मानसिकता

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

झारखण्ड मे आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा वोरा पर स्याही फेंके जाने की सर्वत्र निंदा हो रही हैं। स्याही फेंकने का यह कृत्य बिना किसी तर्क वितर्क के निंदनीय हैं, इस कृत्य का समर्थन नहीं किया जा सकता यह एक प्रकार की हिंसा हैं जो कुंठित और तानाशाही प्रवृत्ती के विचारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस तानाशाही, हिंसक, अप्रजातांत्रिक तथा आपराधिक विचार का समाज मे कोई स्थान नहीं हैं। स्याही लिखने और विचारों के प्रदर्शन की सामग्री हैं, किन्तु इसका इस्तेमाल विचारों को दबाने के लिए किया जाना उचित नहीं है। देश मे स्याही फेंकने की यह एकमात्र घटना नई नहीं हैं। इससे पूर्व भी स्वतंत्र विचारों को रोकने के लिए इस हथकंडे का इस्तेमाल किया जा चूका हैं। अभी काकरोच जनता पार्टी के संस्थापक दीपक डिमके पर जयपुर भी ऐसी ही घटना को अंजाम दिया गया।

लोकतंत्र मे विचार व्यक्त करने की स्वतन्त्रता हैं, इसे बाधित नहीं किया जा सकता स्याही फेंकने वाले आपराधिक तत्व और इसके समर्थक विरोधी विचार को दबाने के लिए इस अलोकतांत्रिक अपराध का इस्तेमाल करते हैं।

लोकतंत्र में विचारों का मुकाबला सिर्फ विचार से ही किया जाता हैं, राजनैतिक दल उसके नेता और समर्थक अपने विचारों को व्यक्त करते हैं। क्या अपने विरोधी विचार पर स्याही फेंककर उसे विचार व्यक्त करने से रोका जा सकता हैं, कतई नहीं, इस प्रकार की घटना एक प्रकार की शारारिक हिंसा हैं। भारत का संविधान अपने नागरिकों को वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का मौलिक अधिकार देता हैं जिसका अर्थ हैं बोलकर, लिखकर, छपाई या चित्रों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से विचार प्रकट करना। किन्तु संविधान की किसी

धारा में स्याही फेंककर विचारों को रोकने या बाधित करने का कोई जिक्र नहीं हैं। इसका सीधा अर्थ हैं। लोकतंत्र में इसका कोई स्थान नहीं हैं ऐसा करना लोकतंत्र के खिलाफ हैं।

विचार व्यक्त करने की इस स्वतन्त्रता पर दुनियां के राजनैतिक विद्वानो ने अपने विचार व्यक्त किये हैं जान स्टूअर्ट मिल अपनी किताब आन लिबर्टी में लिखते हैं 'विचारो पर कभी रोक नहीं लगानी चाहिए। यदि कोई गलत विचार भी है, तो उसे बोलने की छूट होनी चाहिए, क्योंकि खुलकर चर्चा करने से ही सत्य सामने आता है और उसकी सच्चाई पुष्ट होती है।'

सीधा अर्थ है विचार व्यक्त होने के उपरांत ही समझे जा सकते है, किन्तु उसे रोका नहीं जाना चाहिए फिर उस विचार से असहमति क्यों न हो। विचार व्यक्त करने की स्वतन्त्रता के पक्ष में विद्वान बेंजामीन फ्रेंकलिन लिखते है 'विचारो की स्वतन्त्रता के बिना किसी भी तरह का ज्ञान सम्भव नहीं है और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के बिना समाज में वास्तविक सार्वजनिक स्वतन्त्रता नहीं हो सकती है।' इसी बात को जान मिलटन कुछ इस अंदाज में व्यक्त करते है उनके अनुसार सत्य और असत्य को खुले मैदान लड़ने देना चाहिए। सत्य कभी भी खुली बहस या मुकाबल में हारता नहीं है।

विचार व्यक्त करने की स्वतन्त्रता के बारे में जो इन विचारकों ने लिखा है। स्वतंत्र भारत के संविधान निमार्ताओं ने इसे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(Ô) में शामिल करते हुए अपने नागरिको को यह स्वतन्त्रता उपलब्ध कराई है।

विचारों पर असहमति हो सकती है, किन्तु असहमति का निराकरण श्रेष्ठ विचार से होना चाहिए न किसी हिंसक विचार से किया जाना चाहिए। भारत में सांस्कृतिक एवं राजनैतिक विविधता व्याप्त है, इन विविधताओं और भिन्नताओं के उपरांत भी देश के संविधान में उल्लेखित विचारों का समान रूप से सम्मान करने की भावना आमजन में मौजूद है। देश के नागरिक संविधान के विरुद्ध आचरण को बर्दास्त नहीं करता है। अभी जब अपने विचारों के विपरीत विचार रखने वालो को आसानी से देशद्रोही या राष्ट्रद्रोही कह देने का फैशन व्याप्त है,यह स्वतंत्र लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। संविधान के प्रावधानो के तहत अपने विचारों का प्रगटीकरण करना लोकतंत्र के विचार को मजबूत करने का प्रयत्न है। इन विचारों को स्याही फेंककर रोकने का प्रयास नहीं किया जा सकता है।

नेहा वोरा प्रखर विचारक है, किसी की उनके विचार से असहमति हो सकती है, किन्तु इस प्रखर विद्वान-छात्रा पर स्याही फेंकने वाले छात्र ने जो अप्रजातांत्रिक, आपराधिक कार्य किया है, भारत का संविधान इस कृत्य का समर्थन नहीं करता है। यह बेहद निंदनीय और कायराना हरकत है। नेहा वोरा पर स्याही फेकने की घटना के बाद सोशल मिडिया पर उनके पक्ष में और कायराना हरकत के खिलाफ युवा शायर की पंक्तिया बेहद सही प्रतीत हुई उन्होंने लिखा-

'नया तो कुछ नहीं जो कर रहे है, वो अक्सर खेल ऐसे खेलते, है अंधेरों की वकालत करने वाले उजालो पर सियाही फेंकते है।,नेहा वोरा अपने ऊपर सियाहीं फेकने की घटना से भयभीत नहीं हुई उन्होंने बड़ी मुखरता से इस घटना का जवाब दिया। एक मुखर छात्रा पर फेंकी गयी सियाही नेहा को निखार गयी, किन्तु विचारों की स्वतन्त्रता को बाधित करने वाले विचार का मुंह भी काला कर गयी।

हैलो फ्रेंड से आईआईटी तक युवाओं में अपनी पैठ बचाने में कामयाब रही सरकार और संघ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर अपनी पार्टी के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए युवाओं की बीजेपी और उनकी सरकार के प्रति नाराजगी के संकट को अपनी वाकपटुता से काफी हद तक टाल दिया है। विपक्ष युवाओं की पीठ पर चढ़कर मोदी सरकार को घेरने का जो सपना पाले हुए था, वह लगभग टूट चुका है। हाल ही में नीट पेपर लीक के बाद देश की राजनीति में युवाओं की भूमिका, उनकी मोदी सरकार से नाराजगी और उससे निपटने के लिए सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच चली आ रही रणनीतिक खींचतान ने एक नया मोड़ ले लिया है। नीट पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं के बाद उपजे असंतोष को जिस प्रकार से राजनीतिक गलियारों में भुनाने और थामने के प्रयास किए गए, वे भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य को गहराई से समझने का अवसर देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरूआत तब हुई, जब काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने देश के युवाओं को साथ लेकर जंतर-मंतर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। हालांकि, यह प्रदर्शन कुछ विवादों के घेरे में भी रहा, लेकिन इसके बावजूद इसे काफी सफल माना गया। इसकी मुख्य वजह यह थी कि सीजेपी ने मोदी सरकार के सामने जो मांगें रखी थीं, उन्हें अंततः देर से ही सही, लेकिन सरकार को पूरा करना ही पड़ा। इस सफलता ने अचानक से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में युवाओं को ला खड़ा किया, और यहीं से राजनीतिक विश्लेषकों तथा पंडितों के बीच एक नए नैरेटिव की शुरूआत हुई।

राजनीतिक पंडितों और जानकारों ने यह नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया कि आज की जेन जी यानी देश का युवा वर्ग मोदी सरकार से बुरी तरह नाराज चल रहा है। इस वर्ग का मोहभंग होना किसी भी सत्ताधारी दल के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता था। इस बात का अहसास होते ही विपक्षी दलों ने इस मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी दलों के नेता तुरंत मैदान में उतर आए और युवाओं को सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे। विपक्षी नेताओं ने इस दौरान पैलेट गन और एके-47 जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों का हवाला देते हुए युवाओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया, ताकि सरकार के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जा सके। विपक्ष को यह लगने लगा था कि युवाओं की यह नाराजगी

-संजय सक्सेना

आगामी चुनावों में उनके लिए संजीवनी का काम करेगी और बीजेपी के किले को भेदने में मददगार साबित होगी।

राजनीतिक पंडितों और जानकारों ने यह नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया कि आज की जेन जी यानी देश का युवा वर्ग मोदी सरकार से बुरी तरह नाराज चल रहा है। इस वर्ग का मोहभंग होना किसी भी सत्ताधारी दल के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता था। इस बात का अहसास होते ही विपक्षी दलों ने इस मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी दलों के नेता तुरंत मैदान में उतर आए और युवाओं को सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे। विपक्षी नेताओं ने इस दौरान पैलेट गन और एके-47 जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों का हवाला देते हुए युवाओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया, ताकि सरकार के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जा सके।

लेकिन, भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस पूरे घटनाक्रम की नब्ज को तुरंत पहचान लिया और डैमेज कंट्रोल में एक पल की भी देरी नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद मोर्चा संभाला और सबसे पहले एक अनूठे अंदाज में वीडियो जारी कर देश के युवाओं को ह्यहैलो फ्रेंडह्ण कहकर संबोधित किया। इस आधुनिक और युवा-अनुकूल संवाद शैली ने तुरंत ही सोशल मीडिया और युवाओं के बीच एक सकारात्मक संदेश भेजा। इसके बाद प्रधानमंत्री के चार और वीडियो सिलसिलेवार तरीके से सामने आए, जिनमें उनकी संवेदनशीलता और युवाओं के प्रति चिंता साफ झलकी। पेपर लीक जैसी समस्याओं का हमेशा के लिए समाधान निकालने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन सहित उन्होंने कई कड़े और निर्णायक फैसले लिए। सिर्फ वर्चुअल माध्यमों तक ही सीमित न रहते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद आईआईटी दिल्ली का दौरा किया और सीधे तौर पर वहां के युवाओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने युवाओं की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी तत्व को बख्शेगी नहीं।

कुल मिलाकर, सरकार की इस त्वरित और बहुआयामी रणनीति ने यह साबित कर दिया कि बीजेपी ने युवाओं की नाराजगी से होने वाले संभावित राजनीतिक नुकसान को समय रहते सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया है। इस डैमेज कंट्रोल अभियान में केवल सरकार ही सक्रिय नहीं रही, बल्कि प्रधानमंत्री और बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत भी पूरी ताकत के साथ मैदान में कूद पड़े। आरएसएस प्रमुख की सक्रियता और वैचारिक स्तर पर युवाओं से जुड़ने के प्रयासों ने इस अभियान को एक मजबूत वैचारिक संबल प्रदान किया। संघ के अनुषांगिक संगठनों ने भी परिसरों और युवाओं के बीच जाकर संवाद स्थापित किया, जिससे विपक्ष द्वारा गढ़ा गया वह नैरेटिव धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा, जिसमें युवाओं को सरकार के खिलाफ पूरी तरह खड़ा हुआ दिखाया जा रहा था।

दूसरी ओर, इस पूरी कवायद के बाद विपक्ष पूरी तरह से खाली हाथ खड़ा नजर आने लगा है। जिन मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की योजना बना रहा था, सरकार ने उन पर त्वरित कार्रवाई करके विपक्ष के हाथ से एजेंडा ही छीन लिया। नीट पेपर लीक के मामले में उठाए गए सख्त कदमों और नीतिगत सुधारों ने यह दिखा दिया कि सरकार केवल आश्वासन देने में नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देने में विश्वास रखती है। नतीजतन, विपक्ष के पास अब सरकार की आलोचना करने के लिए वह धारदार हथियार नहीं बचा, जो शुरूआती दिनों में नजर आ रहा था। कुल मिलाकर, इस राजनीतिक घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आधुनिक राजनीति में जनता की नब्ज पहचानना और समय पर उचित कदम उठाना कितना जरूरी है। जहां एक तरफ सत्ता पक्ष ने अपनी संवाद कुशलता और निर्णायक क्षमता का परिचय देकर स्थिति को संभाल लिया, वहीं विपक्ष एक बार फिर रणनीतिक रूप से पिछड़ता हुआ दिखाई दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल विरोध की राजनीति करने से बड़े राजनीतिक बदलाव हासिल नहीं किए जा सकते।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण-2 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पालघर जिले में ग्राम विकास अधिकारियों तथा तहसील स्तर पर आवास योजना से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आवास प्लस 2024 सर्वे एवं आवास प्लस 2024 पोस्ट-डिलीशन मॉड्यूल के प्रभावी उपयोग को लेकर अधिकारियों-कर्मचारियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त कार्यभार परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा राजेंद्र पाटील के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण-2 के अंतर्गत आवास प्लस 2024 सर्वेक्षण के बाद पात्र लाभार्थियों की जानकारी को अद्यतन करने, अपात्र लाभार्थियों एवं संबंधित रिकॉर्ड को उचित तरीके से संभालने तथा योजना की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। 5 अगस्त को पालघर और तलासरी, 6 अगस्त को डहाणू, जव्हार एवं वसई तथा 7 अगस्त को मोखाडा, विक्रमगढ़ एवं वाडा तहसीलों के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिनों में जिले की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारियों तथा तहसील स्तर पर आवास योजना का कार्य संभालने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा किया गया। प्रशिक्षण में विस्तार अधिकारी (सांख्यिकी), ग्राम विकास अधिकारी, तहसील स्तरीय डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा तहसील स्तरीय कनिष्ठ सहायकों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को आवास प्लस 2024 प्रणाली में कार्य करने, लाभार्थियों की जानकारी की सटीक प्रविष्टि करने, आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने तथा पोस्ट-डिलीशन मॉड्यूल का उपयोग करने के बारे में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान राज्य प्रबंधन कक्ष, ग्रामीण आवास, महाराष्ट्र राज्य की उपनिदेशक राजलक्ष्मी येरपुडे ने 7 अगस्त को प्रशिक्षण सत्र का दौरा कर प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल प्रणाली का सही उपयोग, लाभार्थी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करने के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला परिषद प्रशासन के अनुसार इस प्रशिक्षण के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण-2 के अंतर्गत आवास प्लस 2024 सर्वेक्षण व पोस्ट-डिलीशन मॉड्यूल से संबंधित कार्य अधिक सटीक, पारदर्शी तथा तेज गति से पूरा करने में मदद मिलेगी।

पालघर नगर पथविक्रेता समिति में जुबेर शेख व नीमा खुर्दे निर्विरोध निर्वाचित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर नगरपरिषद क्षेत्र की नगर पथविक्रेता समिति सदस्य चुनाव-2026 में अल्पसंख्यक तथा अनुसूचित जाति (महिला आरक्षित) वर्ग से क्रमशः जुबेर मोहम्मद युसूफ शेख और नीमा रमेश खुर्दे का निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। दोनों सदस्यों के निर्विरोध चुने जाने से शहर के फेरीवालों, हाथगाड़ी चालकों एवं अन्य पथविक्रेताओं में खुशी का माहौल है। पथविक्रेताओं की विभिन्न समस्याओं को अब समिति के माध्यम से प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखने की उम्मीद जताई जा रही है। पालघर नगरपरिषद के चुनाव निर्णय अधिकारी एवं मुख्याधिकारी डॉ. प्रशांत जाधव द्वारा जारी आधिकारिक निर्वाचन प्रमाणपत्र के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को जुबेर मोहम्मद युसूफ शेख को अल्पसंख्यक वर्ग से नगर पथविक्रेता समिति सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इसी प्रकार नीमा रमेश खुर्दे को अनुसूचित जाति (महिला आरक्षित) वर्ग से नगर पथविक्रेता समिति सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया है। दोनों के निर्वाचन का पथविक्रेता वर्ग, नागरिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। नगर पथविक्रेता समिति का उद्देश्य शहर के फेरीवालों, हाथगाड़ीधारकों और अन्य पथविक्रेताओं की समस्याओं का समाधान करना, उनके अधिकारों का संरक्षण करना, पुनर्वास के लिए प्रयास करना तथा व्यवसाय के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करना है। इसके साथ ही पात्र पथविक्रेताओं को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में भी समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जुबेर शेख और नीमा खुर्दे के निर्विरोध निर्वाचन से पथविक्रेताओं को अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत और प्रभावी मंच मिलने की उम्मीद है। दोनों नवनिर्वाचित सदस्यों ने पथविक्रेताओं की समस्याओं को समझकर उन्हें प्रशासन के समक्ष रखने तथा उनके हितों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया है। दोनों सदस्यों के निर्वाचन पर विभिन्न सामाजिक एवं अल्पसंख्यक संगठनों, व्यापारिक वर्ग तथा नागरिकों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं। माना जा रहा है कि जुबेर शेख और नीमा खुर्दे की नियुक्ति से पालघर शहर के पथविक्रेताओं के अधिकारों और समस्याओं को समिति के माध्यम से अधिक मजबूती से उठाने में मदद मिलेगी।

मीरा-भायंदर की सड़कों के लिए 500 करोड़ कर्ज का विरोध

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र; एमएमआरडीए के माध्यम से निधि उपलब्ध कराने की मांग

मीरा (उत्तरशक्ति)। भायंदर उत्तरशक्ति। मीरा-भायंदर महानगर पालिका में सड़कों के काम के लिए लगभग 500 करोड़ का कर्ज लेने की अनुमति शासन से मांगने के प्रस्ताव को लेकर परिवहन मंत्री एवं विधायक प्रताप सरनाईक ने सवाल उठाए हैं। सरनाईक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर महानगरपालिका पर अतिरिक्त कर्ज का बोझ डालने के बजाय एमएमआरडीए के माध्यम से निधि उपलब्ध कराने की मांग की है। सरनाईक के अनुसार, महानगर पालिका में प्रशासकीय राजवट के दौरान निविदा प्रक्रिया के माध्यम से शहर में लगभग ?500 करोड़ के सड़क निर्माण कार्य किए गए थे। इन कार्यों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा से कर्ज लेने का प्रस्ताव शासन के समक्ष भेजा गया था। हालांकि, महानगरपालिका की आर्थिक स्थिति को देखते हुए बैंक द्वारा कर्ज देने से इनकार किए जाने का उल्लेख सरनाईक ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में किया है। कर्ज की व्यवस्था से पहले निविदा पर सवाल पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2023 में निविदा प्रक्रिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर कंक्रीट सड़कों के काम शुरू किए गए। लेकिन कुछ ठेकेदारों के बिलों का भुगतान नहीं होने के कारण कई कार्य अधूरे बताए जा रहे हैं। सरनाईक ने सवाल उठाया कि यदि महानगरपालिका के पास इन कार्यों के लिए कर्ज की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित नहीं थी, तो कर्ज की व्यवस्था स्पष्ट होने से पहले इतनी बड़ी निविदा प्रक्रिया शुरू करना कानूनी और वित्तीय दृष्टि से कितना उचित था?

मनपा पर नया कर्ज लादने के बजाय एमएमआरडीए से मिले निधि परिवहन मंत्री सरनाईक ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि यदि मीरा-भायंदर शहर में सड़क निर्माण एवं मरम्मत के कार्य अभी भी आवश्यक हैं, तो महानगरपालिका पर नया कर्ज लादने के बजाय एमएमआरडीए के माध्यम से आवश्यक निधि उपलब्ध कराई जाए, ताकि शहर के सड़क कार्य पूरे किए जा सकें और ठेकेदारों के बकाया भुगतान का भी रास्ता निकाला जा सके। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इससे पहले भी एमएमआरडीए के माध्यम से मीरा-भायंदर के विकास एवं सड़क कार्यों के लिए निधि उपलब्ध कराई गई है। ऐसे में शहर के विकास कार्यों के लिए इसी माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर विचार किया जाना चाहिए। सरनाईक ने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले में मीरा-भायंदर महानगरपालिका प्रशासन को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है। पत्र की एक प्रति नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव को भी भेजी गई है।

इस मुद्दे को लेकर अब मीरा-भायंदर महानगरपालिका की आर्थिक स्थिति, सड़क कार्यों के भुगतान और प्रस्तावित ?500 करोड़ के कर्ज को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है।

समरस फाउंडेशन ने किया जौनपुर के समाजसेवी सुरेश यादव का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में जौनपुर के युवा समाजसेवी सुरेश यादव का सम्मान किया गया।

संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया। सुरेश यादव जौनपुर जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित तियरा गांव के रहनेवाले हैं। एक सफल व्यवसाई होने के साथ-साथ सुरेश यादव समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय काम कर रहे हैं। इस अवसर पर मुंबई के बिजनेसमैन हरिकेश यादव, एडवोकेट प्रशांत परदेसी,बृजेश यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

कल्याण पूर्व की अयोध्या नगरी में महानगर गैस सुविधा का शुभारंभ

कल्याण। कल्याण पूर्व के तिसगांव स्थित अयोध्या नगरी परिसर में शनिवार को महानगर गैस कंपनी की घरेलू गैस सुविधा उपलब्ध कराने का शुभारंभ किया गया। इस सुविधा से क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक घरेलू गैस कनेक्शन का लाभ मिलेगा।

कल्याण पूर्व में बढ़ती आबादी और तेजी से हो रहे शहरी विस्तार को देखते हुए नागरिकों को आधुनिक एवं सुरक्षित गैस सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिवसेना कल्याण पूर्व और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से यह पहल की गई है। अयोध्या नगरी से शुरू हुई यह सुविधा चरणबद्ध तरीके से कल्याण पूर्व की अन्य नागरी बस्तियों तक पहुंचाने का संकल्प भी इस अवसर पर व्यक्त किया गया।

इस दौरान शिवसेना संपर्क प्रमुख तथा नगरसेवक महेश गायकवाड ने नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि कल्याण पूर्व के नागरिकों को मूलभूत और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। तिसगांव के प्रभाग क्रमांक 15 स्थित अयोध्या नगरी की हनुमान, दशरथ, नव सीता-डी, सीता, मोरेश्वर और नवदुर्गा को-ऑपरेटिव सोसायटी में घरेलू गैस सुविधा का शुभारंभ किया गया है। इसी तर्ज पर अन्य नागरी बस्तियों तक भी यह सुविधा पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नागरिकों का जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता महसूस कर रहे नागरी बस्तियों के नागरिकों को घरेलू गैस जैसी आवश्यक सुविधा मिलने से काफी राहत मिलेगी। अयोध्या नगरी में आयोजित यह कार्यक्रम कल्याण पूर्व की अन्य नागरी बस्तियों तक महानगर गैस सुविधा पहुंचाने की व्यापक योजना की शुरूआत माना जा रहा है। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों के साथ शिवसेना पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत बोटे ने किया।

अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी ने भावना ऋषि जयंती को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस घोषित करने की किया मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी की ओर से राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर समाज हॉल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय हथकरघा परंपरा के संस्थापक एवं पद्मशाली समाज के पूजनीय देवता भावना ऋषि की जयंती को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में घोषित करने की मांग केंद्र सरकार से की गई। कार्यक्रम की शुरूआत भावना ऋषि के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर अखिल पद्मशाली समाज की अध्यक्ष पोट्टाबत्तिनी रामकृष्ण ने हथकरघा एवं पावरलूम क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2015 में 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस घोषित करना हथकरघा क्षेत्र के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था, लेकिन इसके बावजूद बुनकरों की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। रामकृष्ण ने केंद्र एवं राज्य सरकार से हथकरघा और पावरलूम उद्योग के विकास के लिए व्यापक औद्योगिक नीति तैयार करने की मांग की। उन्होंने पावरलूम उद्योग के आधुनिकीकरण के लिए सब्सिडी, कम ब्याज दर पर ऋण तथा बिजली में रियायत देने की मांग करते हुए कहा कि बुनकरों और श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को ठोस एवं दीर्घकालिक कदम उठाने चाहिए।

स्वामी अवधेशानंद जी महाराज के जीवन पर आधारित भजन की रिकॉर्डिंग सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर, पीठाधीश्वर, प्रकाण्ड विद्वान एवं विश्वविख्यात संत स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के प्रेरणादायी जीवन, आध्यात्मिक व्यक्तित्व और समरसता के संदेश पर आधारित एक विशेष भजन की रिकॉर्डिंग मुंबई में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस भजन को अपनी मधुर एवं ओजस्वी आवाज से स्वरबद्ध किया है पद्मश्री सम्मानित सुप्रसिद्ध गायक एवं भजन सम्राट अनूप जलोटा ने। इस भजन के बोल बॉलीवुड के प्रसिद्ध लेखक एवं गीतकार मुकेश कुमार मासूम ने लिखे हैं, जबकि इस भजन का फिल्मांकन शीघ्र ही उभरते अभिनेता संगीत मासूम पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गीतकार मुकेश कुमार मासूम द्वारा लिखे तथा अभिनेता संगीत मासूम पर फिल्माए गए कई गीत पहले ही श्रोताओं के बीच अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं। इनमें दिल का खुदा निकला (स्वर : पद्मश्री उदित नारायण) तथा उस बेदर्दी ने दिल तोड़ा, उसने ही ठुकराया है (स्वर : अगम कुमार निगम) जैसे गीत विशेष रूप से लोकप्रिय रहे हैं । रिकॉर्डिंग के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए पद्मश्री अनूप जलोटा ने गीतकार मुकेश कुमार मासूम की लेखनी की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मासूम जी के गीतों की रचना अत्यंत महत्वपूर्ण, शुद्ध और सटीक होती है। उनके गीत पूरी तरह मीटर में होते हैं, इसलिए उन्हें गाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती। वे अपने क्षेत्र के विद्वान रचनाकार हैं। मैं इनके लिखे कई गीत पहले भी गा चुका हूँ और जब-जब उनके शब्दों को स्वर देता हूँ, मुझे आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है।

अनूप जलोटा ने आगे कहा कि मुकेश कुमार मासूम अब सार्वजनिक जीवन और राजनीति के क्षेत्र में भी सक्रिय हो रहे हैं। मैं उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर करे उन्हें सफलता मिले और देश को ऐसे संवेदनशील, साहित्यप्रेमी एवं समाजहितैषी जनप्रतिनिधि प्राप्त हों।स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए अनूप जलोटा ने कहा कि स्वामी जी अत्यंत विद्वान संत हैं। मुझे कई बार उनके श्रीचरणों की सेवा और दर्शन का सौभाग्य मिला है। जब-जब उनके दर्शन होते हैं, एक दिव्य अनुभूति होती है। उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो वे साधारण मनुष्य नहीं, बल्कि ईश्वर के दिव्य प्रतिनिधि हों। उनकी विद्वता और आध्यात्मिक तेज के समक्ष हम सब स्वयं को मौन अनुभव करते हैं। मैं उनकी महान विद्वता को सादर नमन करता हूँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी अवधेशानंद महाराज के जीवन और संदेश पर आधारित यह भजन अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति, आध्यात्मिक गहराई और उत्कृष्ट शब्द-संयोजन के कारण देश-विदेश के श्रोताओं के हृदय को अवश्य स्पर्श करेगा।

यह भजन शीघ्र ही संगीत वीडियो के रूप में रिलीज किया जाएगा, जिसके प्रति आध्यात्मिक संगीत प्रेमियों एवं स्वामी अवधेशानंद महाराज के अनुयायियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर केक काटकर अनूप जलोटा का जन्मदिन भी मनाया गाया। उनका जन्मदिन वैसे 29 जुलाई को आता है लेकिन उनके चाहने वाले महीने भर तक मनाते है। स्टूडियो 504 में यह रिकॉर्डिंग की गई। इस अवसर पर मुकेश कुमार मासूम ने कहा कि अनूप जलोटा की आवाज सिर्फ दिल में नहीं सीधे रूह में उतर जाती है, वे सनातन संस्कृति के सच्चे संरक्षक हैं और देश के असली भारत रत्न हैं। उनको पद्म भूषण से सम्मानित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अनूप जलोटा ने सबकी सहायता करते है, इसीलिए वे देश - विदेश में आदरणीय है।

74 वर्षीय बुजुर्ग की सोने की चेन झपटने वाला आरोपी गिरफ्तार

मानिकपुर अपराध जांच दल की तत्परता से जालना से दबोचा गया आरोपी, चोरी की सोने की चेन बरामद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई मानिकपुर पुलिस स्टेशन की सीमा में एक बुजुर्ग व्यक्ति को पीछे से धक्का देकर उसके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हुए आरोपी को मानिकपुर पुलिस की अपराध जांच शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई सोने की चेन भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को 74 वर्षीय शिकायतकर्ता जॉन बाबूराव बोर्डे मानिकपुर भाजी बाजार, वसई पश्चिम से अपने आनंद नगर स्थित घर की ओर पैदल जा रहे थे। वह स्टेशन की ओर जाने वाले फुटपाथ से गुजर रहे थे। इसी दौरान फ्लाईओवर के नीचे अंबाडी सिग्नल के पास अख्तर फुटवियर दुकान के सामने एक अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उन्हें जोरदार धक्का दिया। अचानक हुए हमले में बुजुर्ग की गर्दन पर चोट लगी। इसी दौरान आरोपी ने जबरन उनके गले से करीब 1,44,000 रुपये कीमत की 12 ग्राम सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद जॉन बाबूराव बोर्डे की शिकायत पर मानिकपुर पुलिस स्टेशन में गुन्हा रजिस्टर क्रमांक 375/2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) के तहत मामला दर्ज किया गया।

गुप्त सूचना से आरोपी तक पहुंची पुलिस घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मानिकपुर पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा की टीम को आरोपी की तलाश में लगाया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल की जांच के साथ तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान गणेश मारोती नरवाडे (37) के रूप में की। पुलिस के अनुसार आरोपी पेशे से चित्रकार है और वसई पश्चिम के उमेलमन स्थित हनुमान मंदिर के पास रहता है। उसका मूल निवास पेवा, तहसील मंथा, जिला जालना बताया गया है। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी जालना जिले के पेवा क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर तलाश अभियान चलाया और आरोपी गणेश नरवाडे को गिरफ्तार कर लिया। चोरी की सोने की चेन बरामद गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने 10.170 ग्राम वजन की सोने की चेन बरामद की है।

विप्र फाउंडेशन ने उल्लासपूर्वक मनाया उद्योजक रविकांत पांडेय का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध एवं सफल उद्योगपति तथा शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विप्र फाउंडेशन बोईसर परिवार के संरक्षक रविकांत पांडेय का जन्मदिन 7 अगस्त 2026 को शुभचिंतकों एवं विप्र फाउंडेशन परिवार की ओर से हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित शुभचिंतकों एवं संगठन के सदस्यों ने रविकांत पांडेय को स्वस्थ, सम्मानपूर्ण एवं स्वाभिमान से परिपूर्ण दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित लोगों ने उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं संगठनात्मक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाजहित के कार्यों में उनका सहयोग और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा है। कार्यक्रम के दौरान विप्र फाउंडेशन परिवार की ओर से शोभनाथ त्रिपाठी एवं स्वामीनाथ पांडेय ने संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए समय-समय पर विशेष आर्थिक सहयोग देने के लिए रविकांत पांडेय एवं वरुण चौबे का पुष्पहार पहनाकर हार्दिक स्वागत किया तथा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में दोनों सहयोगदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे ने अपने व्यस्त कार्यक्रमों से समय निकालकर कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले सभी शुभचिंतकों एवं सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, स्नेह और सहभागिता से ही संगठन सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर विप्र फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

कोहिनूर हादसे में मृतक परिवार को मुआवजा नहीं मिला तो 14 अगस्त को भिवंडी में निकलेगा विशाल मोर्चा

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भंडारी कंपाउंड के गंगारामवाड़ी स्थित कोहिनूर अपार्टमेंट की बी-विंग हादसे में मृत 10 लोगों के परिजनों को मुख्यमंत्री द्वारा घोषित मुआवजा अब तक नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ती जा रही है। मनपा के पूर्व विरोधी पक्ष नेता मो. खालिद मुख्तार शेख गुड्डू ने शासन से प्रत्येक मृतक के परिवार को घोषित 5 लाख रुपये की सहायता एक सप्ताह के भीतर बैंक खाते में जमा करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर 14 अगस्त 2026 को भिवंडी में विशाल मोर्चा निकालने की चेतावनी दी गई है। कोहिनूर अपार्टमेंट की बी-विंग 30-31 जुलाई की रात ढह गई थी। हादसे में 10 लोगों की मौत हुई, जबकि तीन लोग घायल हुए। दुर्घटना के बाद दोनों विंग के करीब 98 परिवारों के बेघर होने का दावा किया गया है। 31 जुलाई को जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने घटनास्थल का दौरा कर मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये सहायता देने की घोषणा की थी। लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद राशि नहीं मिलने पर सवाल उठ रहे हैं। शेख गुड्डू ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को दिए निवेदन में कहा कि मृतकों की पहचान और आवश्यक दस्तावेज प्रशासन के पास उपलब्ध हैं, इसलिए मुआवजा वितरण में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने तीनों घायलों को आर्थिक सहायता व निःशुल्क उपचार तथा 98 बेघर परिवारों के लिए अस्थायी आवास और आर्थिक मदद की भी मांग की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कच्चे गारे की दीवाल गिरी, नीचे दबने से एक वृद्ध की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के अटरा (इनामीपुर, शंकरगढ़) गांव में कच्चे गारे की दीवार गिरने से एक 75 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार शाम करीब पांच बजे हुई। घायल वृद्ध को परिजन बदलापुर अस्पताल ले गए, जहां से उन्हें जौनपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान सतई राम (उम्र करीब 75) पुत्र स्व. गोलई राम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सतई राम धान की रोपाई के लिए खेत में गए थे। बारिश शुरू होने पर वे कच्चे गारे से बनी एक दीवार के पास रुक गए। तभी अचानक दीवार उन पर गिर गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

सतई राम के परिवार में दो बेटे महेंद्र और शैलेंद्र दोनों विवाहित तथा एक विवाहित बेटी सरोजा देवी हैं। वे मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे, परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

घटना की सूचना मिलने पर तेजीबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, लेकिन परिजनों ने इससे इनकार कर दिया। देर रात एंबुलेंस से शव घर लाया गया, शव घर पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। इस दौरान तेजीबाजार पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई जय प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल अभय यादव, कांस्टेबल संदीप खरवार, ग्राम प्रधान सुल्तान और पूर्व ग्राम प्रधान तुफानी सहित गांव व क्षेत्र के कई लोग मौके पर मौजूद रहे।

चलती कार में लगी भीषण आग, महिला-बच्ची समेत पांच यात्री बाल-बाल बचे

हौज टोल प्लाजा पर मचा हड़कंप, टोलकर्मियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हौज टोल प्लाजा पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब टोल से गुजर रही एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार में महिला और बच्ची समेत पांच यात्री सवार थे। आग लगते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि शॉर्ट सर्किट के कारण कार के सेंसर लॉक हो गए, जिससे उसके दरवाजे नहीं खुल पा रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टोलकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला और बाहर से कार के दरवाजे खोलकर सभी पांच यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद टोलकर्मियों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से कार में लगी आग पर काबू पाया। समय रहते यात्रियों को बाहर निकाल लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। टोलकर्मियों की तत्परता और सूझबूझ की लोगों ने सराहना की।

कॉलेज छात्रा के अपहरण मामले में पुलिस पर लापरवाही का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र से बी.ए. अंतिम वर्ष की एक छात्रा के कथित अपहरण के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस पर कार्रवाई में हीलाहवाली का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से छात्रा की शीघ्र बरामदगी की गुहार लगाई है।

शिकायत के अनुसार, केराकत थाना क्षेत्र के ग्राम मुर्की निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि उनकी लगभग 20 वर्षीय भतीजी सुल्तानपुर स्थित एक डिग्री कॉलेज में बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा है। वह 3 जुलाई 2026 की सुबह करीब 9 बजे घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। आरोप है कि गांव का ही विकास पुत्र साहबराज उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

परिजनों का कहना है कि घटना के संबंध में पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद छात्रा का कोई सुराग नहीं लग सका है। छात्रा के पिता का आरोप है कि पुलिस उसे तलाशने में गंभीरता नहीं दिखा रही है। समय बीतने के साथ परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है और किसी अनहोनी की आशंका उन्हें परेशान कर रही है।

पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मामले में हस्तक्षेप कर छात्रा की जल्द से जल्द बरामदगी सुनिश्चित कराने तथा आरोपित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

लायन्स क्लब 'क्षितिज' द्वारा हिन्दू व्रतोत्सव पर्व पत्रिका का विमोचन कराया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब जौनपुर क्षितिज द्वारा विशेष पत्रिका, हिन्दू व्रतोत्सव पर्व पत्रिका' का विमोचन नन्दगांव में आयोजित मंडल शपथग्रहण समारोह में कराया गया। पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि प्रो. अजीत चतुवेर्दी वाइस चांसलर बीएचयू, अधिष्ठापन अधिकारी जितेन्द्र सिंह चौहान व उदघाटनकर्ता विनय मित्तल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उदय चंदानी व विशिष्ट अतिथि दुबई से आये राकेश अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर प्रो अजीत चतुवेर्दी ने इस पत्रिका की सराहना करते हुए कहा कि कहा कि पत्रिकाएँ समाज का वास्तविक चित्र प्रस्तुत करते हैं। ये जनमानस की समस्याओं, संस्कृति, और विचारों को प्रतिबिंबित करने के साथ-साथ समाज को सही दिशा दिखाने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं।

जितेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि यह केवल एक पत्रिका नहीं बल्कि सेवा-संकल्प, समपर्ण, सामाजिक उत्तरदायित्व और संगठन की गौरवशाली उपलब्धियों का जीवंत दस्तावेज है।

चार्टर अध्यक्ष शशांक सिंह रानू और संस्थाध्यक्ष कौशल त्रिपाठी ने बताया कि इस पत्रिका में सामाजिक आवश्यकताओं की जरुरी जानकारी के साथ धार्मिक मान्यताओं को संजोकर प्रकाशित किया गया है। जो लोगों के बहुत काम आयेगी।

इस अवसर पर जीएटी एरिया लीडर डॉ क्षितिज शर्मा, पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर डॉ जगदीश गुलाटी, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उमेशचंद्र कक्कड़, वीडीजी टू श्याम बाबू वर्मा, पूर्व अध्यक्ष नपाअ दिनेश टंडन, चीफ सेक्रेट्री सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, निवर्तमान अध्यक्ष अतुल सिंह, लायन्स मेन अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, दिलीप सिंह, विष्णु सहाय, जय किशन साहू, धर्मेंद्र सेठ, प्रदीप सिंह, सोमेश्वर केसरवानी, रितेश गुप्ता, संजय बूपा, वीरेंद्र मौर्य, संजय गुप्ता, डॉ मदन मोहन वर्मा, योगेन्द्र प्रताप सिंह, नरेश सेठ सहित मंडल के विभिन्न शहरों के लायन्स पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी तेज, चार लाख से अधिक तिरंगे तैयार

05 लाख झंडे तैयार करने का लक्ष्य, 300 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं जुटीं सिलाई में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हर घर तिरंगा अभियान-2026 को सफल बनाने के लिए जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा झंडों की सिलाई में दिन-रात जुटी हैं। जिले में निर्धारित पांच लाख तिरंगों की सिलाई के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक चार लाख से अधिक झंडे तैयार किए जा चुके हैं। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखंडों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को तिरंगा सिलाई का जिम्मा दिया गया है। इसी क्रम में उपायुक्त (स्वतः रोजगार), जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला मिशन प्रबंधक ने धमार्पुर, मुफ्तीगंज और केराकत विकासखंडों में संचालित तिरंगा सिलाई केंद्रों का निरीक्षण किया। धमार्पुर में वैष्णवी महिला स्वयं सहायता समूह दशरथपुर और उत्कर्ष महिला स्वयं सहायता समूह धमार्पुर की महिलाएं तिरंगे तैयार करती मिलीं। वहीं मुफ्तीगंज में यमुना आजीविका स्वयं सहायता समूह निशान और पयहारी बाबा महिला स्वयं सहायता समूह कुंडी की महिलाएं सिलाई कार्य में जुटी रहीं।

300 समूहों की महिलाएं कर रहीं काम: जिले के विभिन्न विकासखंडों में करीब 300 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा तैयार करने में योगदान दे रही हैं। अभियान के जरिए जहां देशभक्ति की भावना को मजबूत किया जा रहा है, वहीं ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और अतिरिक्त आय का अवसर भी मिल रहा है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि तिरंगों की सिलाई का कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य विभाग भी अपनी जरूरत के अनुसार आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से तिरंगों की सिलाई करा सकते हैं। इससे अभियान को और गति मिलेगी तथा ग्रामीण महिलाओं की आजीविका भी मजबूत होगी।

जौनपुर के विनीत यादव ने ऑल इंडिया पुलिस जूडो चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के होनहार खिलाड़ी और उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल विनीत कुमार यादव ने राष्ट्रीय स्तर पर जौनपुर का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया पुलिस जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

विनीत कुमार यादव मूल रूप से जौनपुर के थाना लाइन बाजार क्षेत्र के ग्राम परियांवा (सहिजाद नगर) के निवासी हैं। खेल के प्रति उनकी रुचि बचपन से ही रही है। इससे पहले वह वुशू खेल के एक बेहतरीन खिलाड़ी रह चुके हैं। बाद में उन्होंने जूडो में अपनी प्रतिभा को निखारा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतकर अपनी मेहनत का परिचय दिया। विनीत की इस उपलब्धि से उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग और उनके पैतृक गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, शुभचिंतकों और पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।

पुलिसकर्मियों की समस्याओं का होगा त्वरित निस्तारण, PGRU ने सुनी शिकायतें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में पुलिसकर्मियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी समाधान के लिए गठित पुलिस ग्रीवांस रिड्रेसल यूनिट (PGRU) के तहत

सरपतहां में बैठक आयोजित की गई। प्रभारी सरपतहां ने पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत और सेवा संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना। बैठक में पुलिसकर्मियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रभारी ने समस्याओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पुलिसकर्मियों को PGRU की कार्यप्रणाली और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेर्शों से भी पुलिसकर्मियों को अवगत कराया गया।

अपना दल (एस) की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

कपिल देव सिंह बने वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय मीडिया सचिव, पंचायत मंच की नई टीमों का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपना दल (सोनेलाल) की मासिक बैठक में संगठन विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की स्वीकृति और प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति के बाद वाराणसी परिक्षेत्र की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। वहीं पंचायत मंच के जिला अध्यक्ष जय सिंह के नेतृत्व में मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र की नई टीम का गठन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को मड़ियाहूं विधायक डॉ. आरके पटेल ने अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। नई क्षेत्रीय कार्यकारिणी में

मछलीशहर निवासी कपिल देव सिंह को क्षेत्रीय मीडिया सचिव की जिम्मेदारी दी गई। घोषणा होते ही कार्यकताओं ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। कपिल देव सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश नेतृत्व व वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए संगठन की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया।

बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माता बदल तिवारी ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता और समर्पण से संभव है। प्रत्येक पदाधिकारी को जनता के बीच रहकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाने के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में जुटना होगा। विशिष्ट अतिथि मड़ियाहूं विधायक डॉ. आरके पटेल और राष्ट्रीय महासचिव पप्पू माली रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लाल बहादुर पटेल ने की। क्षेत्रीय कार्यकारिणी में विनोद यादव को उपाध्यक्ष, आनंद पाण्डेय को महासचिव तथा अंकित पाठक, महेंद्र कुमार पटेल, चंद्रेश्वर नारायण सिंह, विनोद कुमार पटेल और प्रदीप पटेल को सचिव बनाया गया। इसके अलावा शम्भेर पटेल, सुनील कुमार पाल, ओम प्रकाश पटेल, सूरज चौहान (रामबाबू), अंकित तिवारी, अरुण कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एलपी सरोज और जय विजय गुप्ता को क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। पंचायत मंच की मड़ियाहूं विधानसभा टीम में बृजराज सिंह, मनोज कुमार सिंह और राजेश कुमार मिश्रा को जिला उपाध्यक्ष, जबकि याकूब अली, विशाल सिंह, मनोज कुमार सिंह और शिवम सिंह को जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। प्रदीप कुमार पाठक समेत नौ कार्यकताओं को जिला सचिव बनाया गया। निशांत सिंह व अर्चना मिश्रा जिला मीडिया सचिव और दीपक कुमार जायसवाल जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए। बैठक में प्रदेश व क्षेत्रीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, पंचायत मंच को सक्रिय बनाने और आगामी जनसंपर्क कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

ग्राम पंचायतों के कार्यों में कंसल्टिंग इंजीनियरों की अनिवार्यता पर उठे सवाल, शासन के निदेर्शों को बताया नियम विरुद्ध

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के प्राक्कलन (Estimate) और माप पुस्तिका (एमबी) तैयार कराने के लिए कंसल्टिंग इंजीनियरों की अनिवार्यता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा 24 मई 2026 को जिलाधिकारियों को जारी किया गया पत्र विभाग के पूर्व शासनादेश के विपरीत है।

बताया गया है कि पंचायती राज विभाग के शासनादेश संख्या 2350/33-3-2021-2257/2021, दिनांक 16 दिसंबर 2021 के तहत ओडीएफ प्लस (स्वच्छ भारत मिशन) के अंतर्गत विशेष परिस्थितियों में बड़े निर्माण कार्यों के लिए कंसल्टिंग इंजीनियरों की सेवाएं लेने की व्यवस्था की गई थी। इसमें प्राक्कलित लागत का 2 प्रतिशत परामर्श शुल्क निर्धारित किया गया था।

आरोप है कि नए निदेर्शों के तहत ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे सभी कार्यों का प्राक्कलन और माप पुस्तिका केवल इम्पैनल्ड आर्किटेक्ट / कंसल्टिंग इंजीनियरों से तैयार कराने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि पहले से ही विभिन्न सरकारी विभागों के अवर अभियंता यह कार्य करते रहे हैं।

सरकारी अभियंताओं की व्यवस्था पर भी उठे सवाल: जानकारी के अनुसार ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, लघु सिंचाई विभाग, मंडी समिति, जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग, आवास विकास और जल निगम के अवर अभियंताओं को पहले से ही ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों के लिए नामित किया जाता रहा है। ये सरकारी कर्मचारी होने के कारण उनके कार्यों की जवाबदेही भी तय होती है और उन्हें अतिरिक्त शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता।

वहीं, कंसल्टिंग इंजीनियरों को अनिवार्य किए जाने से पंचायतों पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने और अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है। आरोप है कि इस व्यवस्था से कमीशनखोरी और अवैध वसूली को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, शासन स्तर से इस मामले में अभी कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। पंचायत विभाग के नए निदेर्शों को लेकर प्रदेश के कई जनपदों में चर्चा तेज हो गई है।

दुद्धी में श्री रामलीला टीसीडी खेल मैदान बना बालू-गिट्टी डंपिंग स्थल, खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों में रोष

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर का प्रमुख श्री रामलीला टीसीडी खेल मैदान इन दिनों खेल गतिविधियों के बजाय बालू, बोल्डर और गिट्टी के डंपिंग स्थल में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। मैदान में भारी वाहनों के लगातार आवागमन से समतल भूमि कई स्थानों पर कीचड़युक्त हो गई है, जिससे वहां चलना तक मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन खिलाड़ी, बच्चे और आसपास के निवासी इसी कीचड़ भरे मैदान से होकर गुजरने और खेलने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि नगर पंचायत दुद्धी कार्यालय जाने वाला मार्ग भी प्रभावित हो गया है, क्योंकि वहां पहुंचने का रास्ता खेल मैदान से होकर गुजरता है।

लोगों ने बताया कि नगर पंचायत की ओर जाने वाले मार्ग की हालत देखकर पैदल चलने वाले ही नहीं, बल्कि दोपहिया वाहन चालक भी

भयभीत हो रहे हैं। उन्हें आशंका है कि कीचड़ और फिसलन के कारण कहीं गिरकर चोटिल न हो जाएं।

क्षेत्र के प्रबुद्धजनों और खिलाड़ियों ने खेल मैदान की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी से मांग की है कि श्री रामलीला टीसीडी खेल मैदान को तत्काल साफ-सुथरा कराया जाए, बालू, बोल्डर और गिट्टी की डंपिंग पर रोक लगाई जाए तथा पहले से डंप किए गए निर्माण सामग्री को शीघ्र हटवाया जाए।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मैदान वर्षों से खेल, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यदि समय रहते इसकी स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो खिलाड़ियों और आम लोगों को और अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर रसूलाबाद पीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम, माताओं को बताए स्तनपान के फायदे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल के निर्देशन में सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत रसूलाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने किया।

कार्यक्रम में चिकित्सकों ने गर्भवती एवं धात्री माताओं समेत उपस्थित लोगों को स्तनपान के महत्व, सही तकनीक और इससे जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम, सुरक्षित और संपूर्ण आहार है। जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना तथा जन्म से छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध देना उसके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

चिकित्सकों ने बताया कि मां के दूध में शिशु की जरूरत के अनुरूप पोषक तत्वों के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तत्व भी मौजूद होते हैं, जो विभिन्न संक्रमणों से बचाव में मदद करते हैं। स्तनपान से मां के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक

प्रभाव पड़ता है।

इस दौरान माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त आराम करने तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मुदित चौहान, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. नवीन सिंह और डॉ. अथर अंसारी समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से ह्लप्रथम छह माह केवल स्तनपानह्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उपस्थित माताओं एवं जनसमुदाय ने चिकित्सकों की जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना और स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

पीड़ित सीओ से मिल चौकी प्रभारी पर कानूनी कार्यवाही की मांग को उठाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के कनौरा (कुसहा) गांव निवासी अरविंद कुमार पुत्र प्रभु राम शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी अजय राय से मिल पत्रक सौंप बजरंगनगर चौकी प्रभारी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग को उठाई। उन्होंने अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि विगत 3 अगस्त को घर के सामने बधी 8 बकरी को अज्ञात चोर उठा ले गए जिसकी शिकायत बजरंगनगर चौकी व चंदवक थाने में दी शिकायत पर कार्यवाही करने की बजाय चौकी प्रभारी दो हमराही के साथ घर पर पहुंच डरा - धमका कर प्रार्थना पत्र वापस लेने की बात कही,ऐसा नहीं करने पर मुकदमा लिखकर जेल भेजने की धमकी दी।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में नशा मुक्ति जनजागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता रैली आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी के मार्गदर्शन में 25 जुलाई से 08 अगस्त, 2026 तक संचालित नशा मुक्ति जनजागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत आज जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का संचालन तंबाकू नियंत्रण नोडल अधिकारी डा0 अनिल कुमार तथा नशा मुक्ति नोडल अधिकारी डा0 विनोद वर्मा के समन्वय से किया गया।

रैली में एलाइड एवं हेल्थकेयर (पैरामेडिकल) विद्यार्थियों, चिकित्सा शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से आमजन को तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

रैली के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न जागरूकता नारों एवं संदेशों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि नशा व्यक्ति, परिवार एवं समाजकृतीनों के लिए हानिकारक है तथा नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सशक्त आधारशिला हैं।

रैली में 'विकसित भारत के लिए, नशामुक्त युवा' थीम के अनुरूप युवाओं एवं आमजन से नशे के विरुद्ध संकल्प लेने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। विद्यार्थियों ने यह भी संदेश दिया कि आज की व्यस्त जीवनशैली, साथियों के दबाव एवं जागरूकता के अभाव में अनेक युवा नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं। समय रहते सही मार्गदर्शन, परामर्श एवं दृढ़ संकल्प के माध्यम से नशे से बचा जा सकता है।

रैली के माध्यम से आमजन को नशे की लत से बचाव के साथ-साथ नशे के आदी व्यक्तियों को उचित चिकित्सा एवं परामर्श उपलब्ध कराने के प्रति भी जागरूक किया गया। रैली ने उपस्थित लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया तथा नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने नशा मुक्ति जनजागरूकता पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए नशा मुक्ति नोडल अधिकारी एवं तंबाकू नियंत्रण नोडल अधिकारी सहित आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी विभागों, चिकित्सा शिक्षकों, पैरामेडिकल विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को नशामुक्त एवं स्वस्थ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

सर्पदंश से महिला और युवक की मौत, तीन मासूम बच्चियों के सिर से उठा मां का साया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं/ मछलीशहर जिले में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में महिला और युवक की मौत हो गई। मड़ियाहूं क्षेत्र में दो माह की बच्ची को दूध पिला रही महिला को सर्प ने डस लिया। उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं मछलीशहर क्षेत्र में बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय युवक को सर्प ने डस लिया। स्वजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों घटनाओं के बाद स्वजन में कोहराम मचा है।

दूधमुंही बच्ची को दूध पिलाते समय सर्प ने डसा

बरसठी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी पंकज गौतम की पत्नी रीना गौतम शुक्रवार दोपहर घर में अपनी दो माह की बच्ची को दूध पिला रही थीं। इसी दौरान सर्प ने उनके पैर में डस लिया। जानकारी होते ही स्वजन उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्वजन एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही रीना ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, घर में मौजूद सर्प को पकड़ने के लिए स्वजन ने सर्प मित्र को बुलाया। काफी मशक्कत के बाद सर्प को रेस्क्यू कर लिया गया, जिसके बाद परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद स्वजन रीना को झाड़-फूंक के लिए गाजीपुर समेत अन्य स्थानों पर ले गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। शनिवार सुबह थक-हारकर घर लौटे। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रीना की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। उनकी चार वर्ष की बेटी रिया, दो वर्ष की प्रिया और दो माह की दूधमुंही बच्ची है। तीनों मासूम बच्चियों के सिर से मां का साया उठने से गांव में भी मातम पसरा है। पति पंकज गौतम भन्नौर बाजार में मोबाइल की दुकान चलाते हैं।

बिस्तर पर सो रहे युवक को सर्प ने डसा, मौत

मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के बसढुवा गांव में शुक्रवार रात बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय कल्पनाथ बिंद को सर्प ने डस लिया। कुछ देर बाद नींद खुलने पर उन्हें शरीर में सर्प के काटने का एहसास हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मची हुई है।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा थाना बरसठी का निरीक्षण एवं नवनिर्मित भोजनालय का किया गया उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के द्वारा थाना बरसठी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों, मालखाना, बैरक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शिकायतों एवं विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। अवसर पर पुलिसकर्मियों की सुविधा हेतु थाना परिसर में नवनिर्मित भोजनालय का उद्घाटन किया गया। भोजनालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा थाना परिसर में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष एवं त्वरित निस्तारण करने हेतु संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुरानीबाजार पुलिस चौकी प्रभारी सुनील कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने चौकी प्रभारी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण लाइन हाजिर कर लिया है। चौकी प्रभारी के लाइन हाजिर होने पर पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक ने हाल ही में नियुक्त हुए चौकी प्रभारी सुनील कुमार यादव को शुक्रवार की शाम कार्य में घोर लापरवाही बतरने के कारण लाइन हाजिर कर दिया है। इनके लाइन हाजिर होने से जहां पुलिस हड़कंप मच गया वहीं लाइन हाजिर को लेकर चर्चा का बाजार भी गर्म हो गया है। चर्चा में कहा गया है कि मोहल्ला ताड़तला हुई चेन छीनैती की घटना में पुलिस अधिकारियों की मंशा के हिसाब से पकड़े गयें आरोपी के खिलाफ कार्यवाही नहीं किया जिसके लिए इन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया है। फिल्हाल जितना मुंह उनती बातें कही जा रही है। अभी भी चौकी प्रभारी पुरानी बाजार की नियुक्ती न होने के कारण इस क्षेत्र में चल रहे मोहर्रम के जुलूसों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहें हैं।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक, गुमशुदा किशोरी को परिजनों को सौंपा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत शनिवार को केराकत थाना क्षेत्र में एंटी रोमियो टीम ने भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबरों और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। इस दौरान टीम को क्षेत्र में एक किशोरी घूमती हुई मिली। पूछताछ के बाद उसकी पहचान पूजा पुत्री खदेरू, निवासी केनोरा, जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई।

एंटी रोमियो टीम ने तत्परता दिखाते हुए किशोरी के परिजनों से संपर्क किया और उन्हें थाना क्षेत्र में बुलाया। आवश्यक सत्यापन के बाद किशोरी को उसके पिता खदेरू के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस टीम की तत्परता के लिए आभार जताया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को आपात स्थिति में 112, स्वास्थ्य सेवा के लिए 102 व 108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 नंबर की जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी तरह की समस्या होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर

सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नशा मुक्ति भारत अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान उपनिरीक्षक बबन सिंह, महिला कांस्टेबल खुशबू, प्रियंका, होमगार्ड जवान रविंदर समेत एंटी रोमियो टीम मौजूद रही। पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सजग रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

मूक बधिर परिवार को नौकरी नहीं मिली तो इंदौर पुलिस बनी सहारा: खुलवाई चाय की दुकान

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर की हीरानगर पुलिस ने मानवीयता का परिचय देते हुए एक मूक-बधिर व्यक्ति को शुक्रवार को सुखलिया इलाके में चाय की दुकान खुलवाकर दी। बताया जाता है कि पूरा परिवार मूक-बधिर है। बोलने और सुनने में दिक्कत होने के चलते गोविंद को कहीं नौकरी नहीं मिल पा रही थी। ऐसे में उसकी मदद के लिए पुलिस आगे आई और चाय की दुकान खुलवाकर रोजगार का साधन उपलब्ध कराया।

वहीं, बीट के पुलिसकर्मियों ने उसकी दुकान का ध्यान रखने की जिम्मेदारी भी ली है।हीरानगर टीआई सुशील पटेल ने बताया कि मूक-बधिर गोविंद यादव, निवासी गौरी नगर, कुछ दिन पहले ज्ञानेंद्र पुरोहित के साथ उनके पास पहुंचे थे। ज्ञानेंद्र पुरोहित मूक-बधिर लोगों के लिए तुकोगंज में सहायता केंद्र चलाते हैं। उन्होंने बताया कि गोविंद के परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं। सभी बोल और सुन नहीं पाते हैं। ऐसे में उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, रोजगार को लेकर भी समस्या बनी हुई थी।

पुलिस ने पहले गोविंद के लिए नौकरी की बात की और उसे पेट्रोल पंप पर काम दिलवाया, लेकिन बोलने-सुनने में दिक्कत के चलते उसे वहां भी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद वरिष्ठ अफसरों से बात कर शुक्रवार को गोविंद के लिए सुखलिया इलाके में चाय की दुकान खुलवाई गई। गुमटी से लेकर चाय बनाने और बेचने का पूरा सामान हीरानगर पुलिस ने उपलब्ध कराया।दुकान पर गुंडे या अन्य लोग उसे परेशान न करें, इसके लिए बीट के पुलिसकर्मियों को आने-जाने के दौरान नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, क्षेत्रीय पार्षद को भी गुमटी के संबंध में जानकारी दी गई है।

पुलिस की इस मदद के लिए गोविंद ने इशारों में धन्यवाद दिया। मौके पर थाने का स्टाफ भी चाय पीने पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने चाय पीने के बाद गोविंद को पैसे भी दिए।

आईआईएफएल फाइनेंस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले महिलाओं के लिए विशेष गोल्ड लोन योजना शुरू की

पटना। एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, आईआईएफएल फाइनेंस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले महिला उधारकताओं के लिए एक विशेष गोल्ड लोन पेशकश की घोषणा की। इसे महिला उद्यमियों और गृहणियों को घर में रखे निष्क्रिय सोने को उत्पादक पूंजी में बदलने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सुविधा पूरे भारत में आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखाओं में उपलब्ध है। यह योजना महिला उधारकताओं के लिए शून्य प्रोसेसिंग फीस पर 0.81 प्रतिशत प्रति माह (9.72 प्रतिशत प्रति वर्ष) से शुरू होने वाली विशेष ब्याज दर प्रदान करती है। यह योजना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लोन-टू-वैल्यू सीमा के भीतर, ग्राहक के सोने के एवज में अधिकतम अनुमेय ऋण राशि भी प्रदान करती है।

आईआईएफएल फाइनेंस के प्रमुख गोल्ड लोन, मयंक शर्मा ने कहा, इस योजना के साथ हमने उन दो चीजों को दूर करने की कोशिश की है जो पहली बार ऋण लेने वाली महिला को पीछे खींचती हैं : ऋण की लागत और आवेदन करने की लागत। शून्य प्रोसेसिंग फीस एक सुविचारित संदेश है कि एक महिला उधारकर्ता का स्वागत है।

उद्योगपति अमरावती ग्रुप के डायरेक्टर रजनीकांत मिश्रा एवं रविप्रकाश पाण्डेय को जन्मदिन पर बधाई

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। शनिवार को पूर्वांचल एवं पिण्डरा विधानसभा की शान, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अमरावती ग्रुप ऑफ कंपनीज के डायरेक्टर, बड़े भाई रजनीकांत मिश्रा जी एवं डायरेक्टर रविप्रकाश पाण्डेय जी के जन्मदिन पर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी 'डाक्टर' ने बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है, साथ ही बताया कि हमारे मूल निवास 384 पिण्डरा विधानसभा में पिण्डरा ब्लॉक अंतर्गत रतनपुर ग्रामसभा के मूल निवासी श्री रजनीकांत मिश्रा जी उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति है।

अमरावती ग्रुप ऑफ कंपनीज के डायरेक्टर, रजनीकांत मिश्रा एवं रविप्रकाश पाण्डेय दोनों भाईयों का जन्मदिन 08 अगस्त 2026 को बड़े धूमधाम से मनाया गया। अमरावती ग्रुप ऑफ कंपनीज की ख्याति विदेश तक है। यह दोनों भाई समाजसेवी, प्यार की प्रतिमूर्ति मानवता की मिसाल एवं हजारों युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। लखनऊ के साथ ही पूर्वांचल के जौनपुर में निवास है। प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी ने बताया की वह सभी जन-मानस के सुख-दुःख के साथी हैं।

वहीं दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा कि मृग की कस्तुरी के सुगंध की भांति, रजनीकांत मिश्रा व रविप्रकाश पाण्डेय जी आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।

चिराणियाँ शिक्षण संस्था में हुआ छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण

चिराना। बागोरिया की ढाणी स्थित चिराणियां विद्यालय में शुक्रवार को विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमावत द्वारा किया गया।कक्षा वाईज विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई और मौके पर ही उनके द्वारा विद्यार्थियों को निदान व उपचार भी सुझाया गया। इस से पूर्व उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वर्षा जनित होने वाली बीमारियों के बारे में भी बताया गया। वर्षा ऋतु में कैसे हो आहार विहार और बचाव के लिए क्या करे उपाय विषय पर भी जानकारी दी

तथा मौसमी बीमारियाँ कौनसी होती हैं, कैसे फैलती हैं और कब क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए, इन सभी होने वाले कारणों से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा ऋतुओं विशेष आहार करने के लिए भी विस्तार से बताया। इस दौरान विद्यालय परिवार के संचालक ओमप्रकाश सैनी, प्रधानाध्यापिका सुमित्रा सैनी सहित अध्यापक सरोज सैनी,सुलोचना सैनी, सुनीता सैनी,ममता सैनी, संजू सैनी,आशा सैनी, सुरेश सैनी,महेश सैनी, सूरजभान सैनी, नेमीचन्द सैनी आदि उपस्थित रहे।

वसई में 'कजरी महोत्सव-2026' का शानदार आयोजन ,संजोली पाण्डेय के लोकगीतों ने मोहा दिल

वसई रोड। संस्कार भारती प्रतिष्ठान व अभियान, मुंबई द्वारा कल, 7 अगस्त 2026 को वसई ईस्ट स्थित रीजेंसी बैंक्वेट्स में 'कजरी महोत्सव - 2026' का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सावन की रिमझिम फुहारों के बीच आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में अयोध्या से आईं सुप्रसिद्ध लोक गायिका सुश्री संजोली पाण्डेय ने अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व राज्य मंत्री अमरजीत मिश्रा (उपाध्यक्ष - भाजपा मुंबई, अध्यक्ष अभियान) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर उन्होंने भारतीय लोक कलाओं और सावन के पारंपरिक त्योहारों को जीवित रखने के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। अयोध्या की कजरी गायिका सुश्री संजोली पाण्डेय ने पारंपरिक और शास्त्रीय कजरी गीतों की ऐसी झड़ी लगाई कि पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 'सावन की रिमझिम में लोकगीतों की बहार' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों ने लोक संस्कृति के इस अनूठे रूप का भरपूर आनंद लिया। इस सांस्कृतिक महोत्सव में क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मनोज पाटिल, भाजपा नेता राजीव रतन मिश्रा, नगरसेवक अभय ककड़, नगरसेविका कल्पना नागपुरे, नगरसेविका पिंकी राठोड और समाज सेवक सुरेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। संस्था द्वारा इन सभी विशिष्ट अतिथियों का शाल और स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया।संस्था के सचिव और मुख्य आयोजक अखिलेश ज. मिश्रा ने सभी अतिथियों और कला प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सह-आयोजक अशोक भाटिया, महेंद्र जोशी, रीता राधेश्याम शुक्ला, आर. एन. तिवारी और समस्त निवेदक मंडल का विशेष योगदान रहा।

15 दरोगा, 50 सिपाही संभालेंगे कमान,48 घंटे चार पहिया वाहनों की नो-एंट्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर सावन तेरस पर सुजानगंज स्थित ऐतिहासिक गौरीशंकर धाम में होने वाले जलाभिषेक को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। प्रयागराज से गंगाजल लेकर पहुंचने वाले लाखों कांवड़ियों की संभावित भीड़ को देखते हुए मुंगराबादशाहपुर से सुजानगंज तक कांवड़ यात्रा मार्ग पर तीन थानों की पुलिस के साथ 15 उपनिरीक्षक, 50 आरक्षी और पांच यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। संदिग्धों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया। उन्होंने सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने, विद्युत खंभों पर सुरक्षा के लिए पन्नी लगवाने तथा कांवड़ शिविरों को मुख्य सड़क से पर्याप्त दूरी पर लगाने के निर्देश दिए। प्रयागराज सीमा के पांडेपुर और प्रतापगढ़ सीमा के ईटहरा क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

सीमा क्षेत्रों में विशेष निगरानी

पुलिस ने सीमावर्ती गांवों में संदिग्ध गतिविधियों, नशीले पदार्थों की बिक्री और अन्य अवैध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। भीड़ के बीच नशाखोरी, छेड़छाड़, हुड़दंग या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए मुंगराबादशाहपुर-सुजानगंज मार्ग पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। ईटहरा, गोविंदासपुर और सरोखनपुर समेत प्रमुख कांवड़ मार्गों पर करीब 48 घंटे तक चार पहिया वाहनों की नो-एंट्री रहेगी। भारी वाहनों को भी वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा।

प्रयागराज से जौनपुर जाने वाले भारी वाहन बरना-जंघई-मछलीशहर होकर जाएंगे, जबकि जौनपुर से प्रयागराज जाने वाले भारी वाहनों को प्रतापगढ़ के रास्ते भेजा जाएगा। पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं से यातायात व्यवस्था में सहयोग करने और निर्धारित मार्गों का ही प्रयोग करने की अपील की है।

2027 में फिर बनेगी योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार : शकील सैफी

लखनऊ । 2027 के चुनावी बिगुल से पहले लखनऊ में बीजेपी के समर्थन में बड़ा स्वर गूंजा। वर्ल्ड पीस हामोनी के कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन के संस्थापक हाजी शकील सैफी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2027 में तीसरी बार सरकार बनेगी। मोहनलालगंज में हुए इस सम्मेलन के मुख्य आयोजक ऋषी मिश्र थे।

सुबह अमौसी हवाई अड्डे पर सैकड़ों कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ सैफी का स्वागत किया। 50 गाड़ियों के काफिले के साथ जब सैफी कार्यक्रम स्थल पहुंचे तो भारतीय किसान क्रांति यूनियन के हजारों कार्यकताओं ने श्शकील सैफी जिंदाबाद और श्योगी जी महाराज की जयश् के नारों से माहौल बना दिया। मंच पर ही किसान यूनियन ने सैफी को अपना संरक्षक घोषित किया।

शकील सैफी ने मंच से कार्यकताओं को सीधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, बीजेपी सरकार ने 10 साल में देश और प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। सड़क निर्माण मंत्री नितिन गडकरी ने यूपी में एक्सप्रेस-वे का जाल बिछा दिया। आज उत्तर प्रदेश देश का सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे वाला राज्य है। किसान की उपज अब घंटों में मंडी पहुंच रही है।

उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, मोदी और योगी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास सच हुआ है। कोई भेदभाव नहीं है। कानून का राज है, गुंडागर्दी खत्म है और निवेश आ रहा है। इसी आधार पर जनता फिर हमें चुनेगी।सैफी ने कार्यकताओं से अपील की, 2027 अभी दूर नहीं है। आप सभी घर-घर जाइए। सरकार की योजनाएं बताइए। विपक्ष के झूठ को बेनकाब कीजिए। पूरी ताकत से जुट जाइए ताकि योगी जी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत से सरकार बने।इसम्मेलन में मौजूद कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वो गांव-गांव जाकर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाएंगे। कुल मिलाकर लखनऊ से दिया गया ये संदेश साफ है - 2027 की तैयारी शुरू हो चुकी है और सहयोगी संगठन मैदान में उतर गए हैं।

नहर में लाश मिलने पर चार गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना क्षेत्र से गत एक सप्ताह पूर्व लापता हुए व्यक्ति का शव 6 अगस्त को नहर से बरामद होने के बाद मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नामजद चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलने पर थाना मछलीशहर में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। थाना क्षेत्र की एक नहर में उसका शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया।

जांच के दौरान नामजद किए गए चार आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि मामले में चार नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमालया बेबीकेयर ने मैची मैची पीएच कैंपेन किया लॉन्च

पटना। हिमालया बेबीकेयर ने अपना नया कैंपेन मैची मैची पीएच लॉन्च किया है। इसका मकसद शिशुओं की नाजुक त्वचा के प्राकृतिक पीएच संतुलन को बनाए रखने के महत्व को बताना है। बहुभाषी कैंपेन के जरिए स्वस्थ और सुरक्षित शिशु त्वचा के लिए पीएच 5.5 जेंटल केयर के महत्व को रेखांकित किया गया है। इस कैंपेन में हिमालया बेबीकेयर की पीएच 5.5 जेंटल रेंज शामिल है, जिसमें हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू, हिमालया जेंटल बेबी वॉश, जेंटल बेबी लोशन और जेंटल बेबी क्रीम आते हैं। ये उत्पाद शिशु की त्वचा के पीएच से मेल खाते हुए त्वचा की सुरक्षात्मक परत को सुरक्षित रखने और नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं। कैंपेन के केंद्र में एक डिजिटल फि ल्म है, जिसमें एक माँ अपने शिशु को उससे मेल खाता हुआ परिधान पहनाती है और इसी के माध्यम से शिशु की त्वचा के पीएच से मेल खाने के महत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

फि ल्म की टैगलाइन मैची-मैची पीएच है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए, चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर झ्र बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस, ने कहा, मैची मैची पीएच कैंपेन के माध्यम से हमारा मकसद पीएच-बैलेंस्ड स्किनकेयर के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह कैंपेन डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शुरू किया जा रहा है और देशभर के माता-पिता तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर भी प्रसारित किया जाएगा। यह कैंपेन हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, बंगाली, ओडिया और असमिया भाषाओं में उपलब्ध है।

यूक्रेन का रूस के तेल ठिकानों पर ड्रोन अटैक, सिजरान रिफाइनरी में भड़कीं आग की लपटें

मास्को। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन ने रूस की ऊर्जा व्यवस्था पर एक और बड़ा हमला किया है। रूस के समारा क्षेत्र में स्थित सिजरान ऑयल रिफाइनरी को ड्रोन हमले में निशाना बनाए जाने की खबर है। हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में आग लग गई और कई जगहों से धुआं उठता दिखाई दिया। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने भी सिजरान और इल्स्की रिफाइनरियों को निशाना बनाए जाने की पुष्टि की है। रिपोर्टों के मुताबिक, 7 और 8 अगस्त की रात रूस के कई इलाकों में ड्रोन हमले हुए। इसी दौरान समारा क्षेत्र के सिजरान स्थित तेल रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया।

इसके जवाब में यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के क्षेत्र में रूस के हमलों में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। शनिवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के ब्रोवरी जिले में रूसी ड्रोन हमलों से एक मकान ध्वस्त हो गया, जिसमें दो बुजुर्ग दंपति और उनके तीन वर्षीय पोते की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि कीव में "नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर छह बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले" में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस की ओर से रात में दागे गए 151 ड्रोन में से 135 को उसने मार गिराया या बीच में ही रोक दिया। हमले में छह बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य निर्देशित मिसाइल का भी इस्तेमाल किया गया। वहीं, रूस में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र स्थित इल्स्की तेल रिफाइनरी में ड्रोन के मलबे के गिरने से आग लग गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। यूक्रेन द्वारा घरेलू स्तर पर विकसित हथियारों से किए जा रहे मिसाइल हमलों ने कई महीनों से रूस के तेल प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस अभियान के कारण ईंधन संकट से रूस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नवीनतम हमले जेलेंस्की के शुक्रवार को सर्बिया की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर पहुंचने के कुछ घंटे बाद हुए। सर्बिया उन कुछ यूरोपीय देशों में शामिल है, जिसने यूक्रेन पर रूस के हमले के बावजूद मॉस्को के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे हैं। हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में आग लगने की सूचना सामने आई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में रिफाइनरी क्षेत्र में आग की लपटें और धुएं का गुबार दिखाई देने का दावा किया गया है यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, रात के हमलों में सिजरान और इल्स्की ऑयल रिफाइनरियों को निशाना बनाया गया। इल्स्की रिफाइनरी रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में है, जबकि सिजरान रिफाइनरी समारा क्षेत्र में स्थित है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. हनुमंत सिंह को दी श्रद्धांजलि

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री बृजेश पाठक ने बलरामपुर प्रवास के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय हनुमंत सिंह के शारदा कुंज स्थित आवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्वर्गीय हनुमंत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया। उपमुख्यमंत्री पाठक ने स्वर्गीय हनुमंत सिंह के भाई शिवप्रताप सिंह एवं पुत्र अखिलेश सिंह गुड्डू से मुलाकात कर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय हनुमंत सिंह का सार्वजनिक जीवन तथा क्षेत्र के विकास में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। पाठक ने कहा कि स्वर्गीय हनुमंत सिंह ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में समाज और क्षेत्र के हितों के लिए निरंतर कार्य किया। उनका सरल व्यवहार, जनसेवा के प्रति समर्पण और लोगों से आत्मीय संबंध हमेशा याद किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय कार्यकर्ता एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एकम्स ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में किया शानदार प्रदर्शन, राजस्व में 13.9% की हुई है बढ़ोतरी

मुंबई/नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (CDMO) एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने 30 जून, 2026 को खत्म हुई तिमाही के लिए अपने कंबाइंड फाइनेंशियल परिणामों की घोषणा की। इन परिणामों से पता चला कि कंपनी की FY27 की मजबूत शुरूआत हुई। कंपनी ने राजस्व, ऑपरेटिंग प्रॉफिट टेबिलिटी और PAT में अच्छी बढ़ोतरी हासिल की। यह CDMO बिजनेस में लगातार तेजी, बेहतर ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस और ग्राहकों की अच्छी मांग की वजह से संभव हुआ। एकम्स ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 1,167 करोड़ का ऑपरेटिंग राजस्व दर्ज किया। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 1,024 करोड़ के मुकाबले 13.9% की सालाना बढ़ोत्तरी है। EBITDA सालाना आधार पर 35.4% बढ़कर 175 करोड़ हो गया, और EBITDA मार्जिन 12.6% से सुधरकर 15.0% हो गया। PAT 101 करोड़ रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 65 करोड़ था। PAT मार्जिन भी 6.2% से बढ़कर 8.4% हो गया। इस तिमाही में CDMO बिजनेस इस बढ़ोत्तरी का मुख्य कारण रहा। इस तिमाही में CDMO राजस्व बढ़कर 964 करोड़ हो गया, जो Q1 FY26 में 813 करोड़ था। वहीं वॉल्यूम में लगातार बढ़ोतरी और API की कीमतों में सुधार के कारण CDMO EBITDA सालाना आधार पर 36.8% बढ़कर 163 करोड़ हो गया। जबकि यह वित्त वर्ष 2026 के पहली तिमाही में 119 करोड़ था।

इन परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजीव जैन ने कहा, "FY27 की शुरुआत मजबूत और उत्साहजनक रही है। CDMO का लगातार अच्छा प्रदर्शन न केवल मजबूत मांग के माहौल को दिखाता है, बल्कि एक पसंदीदा मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर के तौर पर एकम्स में हमारे क्लाइंट्स के विश्वास को भी दर्शाता है।

मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप जैन ने कहा, हम CDMO के सेक्टर में अपनी लीडरशिप को मजबूत करने, हाई-वैल्यू क्षमताओं को बढ़ाने और ऑपरेशनल एक्सीलेंस हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक मजबूत पाइपलाइन और समझदारी से राशि वितरण (कैपिटल एलोकेशन) के दम पर हम आने वाले सालों में सस्टेनेबल ग्रोथ (टिकाऊ विकास) हासिल करने की दिशा में अच्छी स्थिति में हैं।

सिविल अस्पताल इमरजेंसी के बाहर बना जंग का अखाड़ा

लुधियाना। सिविल अस्पताल में एक बार फिर कानून-व्यवस्था की सरेआम धज्जियां उड़ने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शनिवार दोपहर अस्पताल परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब मेडिकल करवाने आए 2 गुट आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि अस्पताल का इमरजेंसी वार्ड और बाहरी इलाका किसी जंग के अखाड़े में तब्दील हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों गुटों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर दोनों तरफ से अंधाधुंध ईंट-पत्थर चलने लगे। उपद्रवियों का नंगा नाच सिर्फ अस्पताल परिसर तक ही सीमित नहीं रहा। जिस गाड़ी में सवार होकर एक पक्ष मेडिकल करवाने पहुंचा था, हमलावरों ने उसे घेर लिया और हथौड़ों से ताबड़तोड़ वार कर गाड़ी के शीशे और ढांचा पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। अस्पताल के बाहर हुई इस गुंडागर्दी और तोड़फोड़ की पूरी वारदात का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में हमलावर बेखौफ होकर खुलेआम हथौड़ों और पत्थरों से गाड़ी को निशाना बनाते साफ दिखाई दे रहे हैं। दिन-दिहाड़े हुई इस खूनी झड़प से अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजन वालों में चीख-पुकार और दहशत का माहौल बन गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर उपद्रवियों और हमलावरों की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सिविल अस्पताल लुधियाना में मारपीट और हंगामे का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार यहां गैंगवार और खूनी झड़पें हो चुकी हैं। इसके बावजूद इमरजेंसी वार्ड जैसी बेहद संवेदनशील जगह पर इस तरह दिन-दिहाड़े हथौड़े और ईंट-पत्थर चलना पुलिस चौकी और अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर बहुत बड़े सवालिया निशान खड़े करता है।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने मुजफ्फरपुर में नई शाखा खोलकर मजबूत की बिहार में अपनी मौजूदगी

मुजफ्फरपुर। भारत के सबसे भरोसेमंद म्यूचुअल फंड घरानों में एक एलआईसी म्यूचुअल फंड (एलआईसी एमएफ) ने मुजफ्फरपुर में अपनी नई शाखा खोलने की घोषणा की है. इसके साथ ही कंपनी ने बिहार में अपनी जमीनी मौजूदगी को और मजबूत किया है तथा उभरते बाजारों में निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड निवेश को अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है. शाखा का उद्घाटन एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार झा ने किया.

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा भौगोलिक आंकड़ों के अनुसार, बिहार में बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों में निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है. राज्य के औसत म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी योजनाओं की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत है. इक्विटी आधारित निवेश के प्रति इस मजबूत रुझान से बाजार से जुड़े निवेश के विकल्पों में बढ़ती रुचि का पता चलता है. यह राज्य में म्यूचुअल फंड निवेश की पहुंच को और व्यापक बनाने का अवसर प्रदान करता है. एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार झा ने इस अवसर पर कहा, ह्यमुजफ्फरपुर शाखा का उद्घाटन बिहार में एलआईसी म्यूचुअल फंड की मौजूदगी को मजबूत करने और टियर-3 शहरों के निवेशकों तक म्यूचुअल फंड निवेश को पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उत्तर बिहार का एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र होने के कारण मुजफ्फरपुर निवेशकों की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है. इस क्षेत्र में एलआईसी एमएफ के 9,979 निवेशक और 527 म्यूचुअल फंड वितरकों का नेटवर्क है, जो निवेशकों और वितरण साझेदारों के साथ हमारी सहभागिता को और मजबूत करने के लिए एक मजबूत आधार उपलब्ध कराता है. हमारा प्रयास जमीनी स्तर पर अपनी मौजूदगी और डिजिटल पहलों के माध्यम से निवेश को अधिक सरल और सुलभ बनाना है. साथ ही हम अधिक से अधिक निवेशकों को जल्द निवेश शुरू करने,नियमित निवेश करने और दीर्घकालिक संपत्ति सृजन के लिए प्रेरित करना चाहते हैं.

तेल विपणन कंपनियों द्वारा E20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी की जांच

500 ppm क्लोराइड और नमी की मौजूदगी के दावों की पुष्टि नहीं हुई

नई दिल्ली। EBMS (E20 पेट्रोल) में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी को लेकर हालिया मीडिया रिपोर्टों के बीच, तेल विपणन कंपनियों (OMCs) ने पूरी एइटर आपूर्ति श्रृंखला को कवर करते हुए देशव्यापी अतिरिक्त गहन जांच की। जांच के निष्कर्षों से एक बार फिर पुष्टि हुई है कि ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के भीतर लगातार बनी हुई है। कुछ दावों के विपरीत, वैज्ञानिक रूप से तैयार परीक्षणों के माध्यम से व्यापक रूप से किए गए रैंडम परीक्षणों से यह स्पष्ट हुआ है कि ईंधन के दूषित होने को लेकर किसी तरह की चिंता का कोई कारण नहीं है। OMCs अपने सभी सम्मानित ग्राहकों को आश्वस्त करना चाहती हैं कि ईंधन की गुणवत्ता हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है और वाहन के प्रदर्शन या उपभोक्ता विश्वास को संभावित रूप से प्रभावित करने वाले किसी भी मुद्दे का वैज्ञानिक जांच और सुधारात्मक कार्रवाई के माध्यम से तुरंत समाधान किया जाता है। भारत सरकार ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए उपयोग किए जाने वाले इथेनॉल के लिए क्लोराइड की एक कड़ी सीमा निर्धारित की है और पूरी आपूर्ति श्रृंखला में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उच्च आवृत्ति वाली निगरानी व्यवस्था लागू की है। देशभर में रिफाइनरियों, डिस्टिलरीज, डिपो/टर्मिनलों और रिटेल आउटलेट्स सहित आपूर्ति श्रृंखला के कई चरणों पर क्लोराइड की निगरानी की जा रही है, जिससे पूरी आपूर्ति श्रृंखला में गुणवत्ता लगातार बनाए रखने की पुष्टि होती है। पहले से स्थापित गुणवत्ता आश्वासन प्रोटोकॉल के अलावा, तेल विपणन कंपनियों ने प्रत्येक रिटेल आउटलेट पर प्रतिदिन 8–12 बार पानी के प्रवेश और घनत्व की जांच करके निगरानी को और मजबूत किया है। विभिन्न स्थानों पर मोबाइल ईंधन गुणवत्ता जांच प्रयोगशालाएं भी तैनात की गई हैं। साथ ही, उच्चतम गुणवत्ता आश्वासन मानकों को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण परिणामों का ईंधन प्रयोगशालाओं के माध्यम से स्वतंत्र रूप से सत्यापन किया जा रहा है। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में इन बहुआयामी और बढ़ाए गए परीक्षण प्रोटोकॉल ने हमारे उच्चतम ईंधन गुणवत्ता मानकों को प्रमाणित किया है। रिफाइनरी से MS: पेट्रोल में वास्तविक क्लोराइड का स्तर 1 ppm के भीतर विभिन्न रिफाइनरियों से यादृच्छिक रूप से चुने गए 100 से अधिक अतिरिक्त पेट्रोल नमूनों की जांच की गई। इन जांचों से पुष्टि हुई कि क्लोराइड की मात्रा लगातार कम बनी हुई है और सभी नमूनों में यह 1 ppm या उससे कम रही। यह भारत की मजबूत रिफाइनिंग और डिस्पैच प्रक्रिया में शामिल गुणवत्ता जांच की निरंतर प्रभावशीलता को दशार्ता है।

डिस्टिलरी से प्राप्त शुद्ध इथेनॉलः

पेट्रोल में मिश्रण के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख घटक, डिस्टिलरीज से आपूर्ति किए जाने वाले इथेनॉल में भी क्लोराइड का स्तर निर्धारित मानक से लगातार काफी कम दर्ज किया गया है। यह उत्पादन स्तर पर मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र को दशार्ता है। OMCs और CHT के सदस्यों वाली एक समर्पित टास्क फोर्स ने पिछले 10 दिनों में देशभर की 80 डिस्टिलरीज से इथेनॉल के नमूनों की जांच की और सभी नमूनों में क्लोराइड की मात्रा 3 ppm से कम पाई गई।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किए में बड़ी डिफेंस डील, एक पर हमला तीनों पर माना जाएगा

दुबई। पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते सुरक्षा समीकरणों के बीच पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किए ने एक बड़ा रक्षा समझौता किया है। 7 अगस्त 2026 को मक्का में हुए ह्यमक्का संयुक्त रक्षा समझौतेह्न के तहत तीनों देशों ने आपसी रक्षा सहयोग मजबूत करने का फैसला किया है। समझौते की सबसे अहम बात यह है कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने को तीनों पर हमला माना जाएगा। इस बड़ी डील पर भारत का रिएक्शन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस समझौते को लेकर इस्लामिक NATO' जैसीकता है? उपमाएं दी जा रही हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर तीनों देशों ने इसे इस नाम से नहीं बताया है। NATO जैसी पूरी तरह एकीकृत सैन्य कमान या उसी तरह की संस्थागत संरचना होने की बात अभी नहीं कही गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तीनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। समझौते में केवल सामूहिक रक्षा की बात नहीं है, बल्कि खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, रक्षा तकनीक और रणनीतिक सैन्य योजना में सहयोग बढ़ाने का भी प्रावधान बताया गया है। इस डील का सबसे ज्यादा चर्चा में आया प्रावधान सामूहिक सुरक्षा से जुड़ा है। इसके अनुसार तीनों देशों में से किसी एक के खिलाफ सशस्त्र हमला होता है तो उसे बाकी दोनों देशों के खिलाफ भी हमला माना जाएगा। यानी भविष्य में अगर किसी एक सदस्य देश की सुरक्षा पर बड़ा सैन्य खतरा आता है तो मामला केवल उस देश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समझौते के तहत बाकी दोनों देश भी सामूहिक प्रतिक्रिया पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, इस प्रावधान के वास्तविक सैन्य इस्तेमाल की प्रक्रिया और परिस्थितियां अलग-अलग मामलों पर निर्भर करेंगी। भारत ने इस घटनाक्रम पर तत्काल किसी तरह की प्रतिक्रिया या आलोचना करने के बजाय इसे करीब से देखने का बेहद शांत रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत इस घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है। भारत ने इस समझौते को गंभीरता से लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली इस घटनाक्रम को करीब से फॉलो कर रही है। भारत का फिलहाल रुख बेहद सतर्क नजर आ रहा है। नई दिल्ली यह देखना चाहती है कि इस समझौते का पश्चिम एशिया की सुरक्षा व्यवस्था और भारत के रणनीतिक हितों पर क्या असर पड़ता है। खास तौर पर इसलिए भी कि भारत के सऊदी अरब के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं, जबकि पाकिस्तान और तुर्किए के साथ भारत के रिश्ते लंबे समय से चुनौतीपूर्ण रहे हैं। इस समझौते से पाकिस्तान को पश्चिम एशिया में अपनी सुरक्षा और रणनीतिक भूमिका मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। सऊदी अरब के पास विशाल आर्थिक और ऊर्जा संसाधन हैं, तुर्किए के पास मजबूत सैन्य क्षमता और विकसित रक्षा उद्योग है, जबकि पाकिस्तान के पास बड़ी सैन्य ताकत और परमाणु क्षमता है।

स्पा सैंटर की आड़ में चल रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर पुलिस का करारा प्रहार

बद्दी। औद्योगिक कस्बे बद्दी में स्पा सैंटर की आड़ में चल रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर पुलिस ने करारा प्रहार किया है। क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बद्दी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। उप पुलिस अधीक्षक योगराज चंदेल के नेतृत्व में गठित अलग-अलग पुलिस टीमों ने गुप्त सूचना के आधार पर साई रोड स्थित तीन स्पा सैंटरों पर एक साथ दबिश दी, जिससे स्पा संचालकों में हड़कंप मच गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस टीमों की जांच में यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि इन तीनों स्पा सैंटरों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित किया जा रहा था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से 7 युवतियों को सुरक्षित रूप से रैस्क्यू किया। पुलिस ने इन युवतियों की सुरक्षा और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं और उसके बाद उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

इस पूरे मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। स्पा सैंटरों के संचालकों और वहां मौजूद संबंधित मैनेजरों के विरुद्ध पुलिस थाना बद्दी में विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौके से जुटाए गए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक बद्दी विनोद धीमान ने स्पष्ट किया कि स्पा सैंटरों या किसी भी अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान की आड़ में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे संदिग्ध प्रतिष्ठानों पर पुलिस लगातार कड़ी निगरानी रख रही है। एसपी ने चेतावनी दी है कि कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि बद्दी पुलिस क्षेत्र में आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी अवैध गतिविधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

आमिर खान, प्रीति ज़िंटा और सनी देओल बिग बी के साथ केबीसी सीजन 18 की हॉट सीट पर

पटना। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 की शुरूआत एक शानदार स्टार-स्टडेड शाम से होने जा रही है, जहाँ आमिर खान, प्रीति ज़िंटा और सनी देओल पहली बार कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर बैठेंगे। इस ओपनिंग एपिसोड में उनके साथ शो के होस्ट अमिताभ बच्चन होंगे। यह सीजन सोचना पड़ेगा थीम पर आधारित है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन द्वारा साझा किए गए लेटेस्ट प्रोमो में आमिर खान अमिताभ बच्चन से पूछते हैं, आपने कहा है आपके प्रोमो में सोचना पड़ेगा, तो क्या सोचना पड़ेगा इस पर अमिताभ बच्चन मजाकिया अंदाज में कहते हैं, इतना आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि सोचना पड़ता है ना भाईसाहब। आमिर खान जवाब देते हैं, सोचना पड़ेगा, सर वाकाई सोचना पड़ेगा। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 का प्रीमियर सोमवार, 10 अगस्त को रात 9:00 बजे सिर्फ. सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

सर्पदंश से महिला और युवक की मौत, तीन मासूम बच्चियों के सिर से उठा मां का साया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं/मछलीशहर जिले में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में महिला और युवक की मौत हो गई। मड़ियाहूं क्षेत्र में दो माह की बच्ची को दूध पिला रही महिला को सर्प ने डस लिया। उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं मछलीशहर क्षेत्र में बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय युवक को सर्प ने डस लिया। स्वजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों घटनाओं के बाद स्वजन में कोहराम मचा है।

बरसठी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी पंकज गौतम की पत्नी रीना गौतम शुक्रवार दोपहर घर में अपनी दो माह की बच्ची को दूध पिला रही थीं। इसी दौरान सर्प ने उनके पैर में डस लिया। जानकारी होते ही स्वजन उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्वजन एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही रीना ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, घर में मौजूद सर्प को पकड़ने के लिए स्वजन ने सर्प मित्र को बुलाया। काफी मशक्कत के बाद सर्प को रेस्क्यू कर लिया गया, जिसके बाद परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद स्वजन रीना को झाड़-फूंक के लिए गाजीपुर समेत अन्य स्थानों पर ले गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। शनिवार सुबह थक-हारकर घर लौटे। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रीना की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। उनकी चार वर्ष की बेटी रिया, दो वर्ष की प्रिया और दो माह की दूधमुंही बच्ची है। तीनों मासूम बच्चियों के सिर से मां का साया उठने से गांव में भी मातम पसरा है। पति पंकज गौतम भन्नौर बाजार में मोबाइल की दुकान चलाते हैं।

बिस्तर पर सो रहे युवक को सर्प ने डसा, मौत

मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के बसढुवा गांव में शुक्रवार रात बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय कल्पनाथ बिंद को सर्प ने डस लिया। कुछ देर बाद नींद खुलने पर उन्हें शरीर में सर्प के काटने का एहसास हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मची हुई है।

इमिग्रेशन पर कनाडा का सख्त एक्शन, 2026 की पहली छमाही में ही 3323 भारतीयों को देश से निकाला

कनाडा। कनाडा में इमिग्रेशन नियमों को लेकर सख्ती का असर भारतीय नागरिकों पर भी दिखाई दे रहा है। 2026 के पहले छह महीनों में ही कनाडा ने 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेज दिया। यह आंकड़ा पूरे 2025 में बाहर भेजे गए 3,779 भारतीयों के बेहद करीब पहुंच चुका है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो इस साल पिछले रिकॉर्ड के टूटने की संभावना है। कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2026 के बीच 3,323 भारतीय नागरिकों को कनाडा से बाहर भेजा गया। वहीं, पूरे 2025 में यह संख्या 3,779 थी। यानी 2026 के सिर्फ छह महीनों में ही पिछले पूरे साल के आंकड़े का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। अब तक कनाडा से सबसे ज्यादा भारतीय नागरिकों को 2025 में बाहर भेजा गया था। लेकिन मौजूदा रफ्तार को देखते हुए 2026 में यह रिकॉर्ड पार होने की संभावना जताई जा रही है। 2026 की पहली छमाही में कनाडा से बाहर भेजे गए लोगों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा रही। इस मामले में भारत ने मेक्सिको को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी से जून के बीच 1,573 मैक्सिकन नागरिकों को कनाडा से वापस भेजा गया। पिछले पांच वर्षों में कनाडा से बाहर भेजे जाने वाले विदेशी नागरिकों की सूची में मेक्सिको आम तौर पर सबसे ऊपर रहा था, जबकि भारत दूसरे स्थान पर था।

कनाडा आमतौर पर उन लोगों को देश से बाहर भेजता है, जो उसके आव्रजन नियमों का पालन नहीं करते। इसमें कई तरह के मामले शामिल हो सकते हैं।इनमें वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी कनाडा में रहना, शरण या शरणार्थी आवेदन खारिज होना, आव्रजन नियमों का उल्लंघन और वीजा से जुड़ी धोखाधड़ी जैसे मामले शामिल हैं। हालांकि, किसी व्यक्ति को देश से बाहर भेजे जाने का कारण उसके व्यक्तिगत मामले और कनाडाई आव्रजन कानूनों के तहत तय होता है।कनाडा पिछले कुछ समय से अपनी आव्रजन व्यवस्था को सख्त करने की दिशा में कदम उठा रहा है। सरकार अस्थायी निवासियों की संख्या को कम करने पर जोर दे रही है। इसका असर खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और अस्थायी विदेशी कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा है। कनाडा की सरकार आव्रजन व्यवस्था पर दबाव कम करने और देश में अस्थायी निवासियों की संख्या नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत इससे पहले 2020 में कनाडा से बाहर भेजे गए नागरिकों की सूची में सबसे ऊपर रहा था। उस साल कनाडा ने 1,424 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेजा था। इसके बाद कई वर्षों तक मेक्सिको इस सूची में ऊपर रहा, जबकि भारत दूसरे स्थान पर बना रहा। अब 2026 की पहली छमाही में भारत एक बार फिर इस सूची में सबसे ऊपर पहुंच गया है।

मुजफ्फरपुर के बाजार में लॉन्च हुआ आशीर्वाद चना सत्तू

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के लोगों की पसंदीदा पारंपरिक खाद्य सामग्री सत्तू अब नए अंदाज में बाजार में उपलब्ध होगी। आईटीसी लिमिटेड के ब्रांड आशीर्वाद ने मुजफ्फरपुर के बाजारों में अपना सैंड रोस्टेड चना सत्तू लॉन्च किया है। बिहार के उपभोक्ताओं की पसंद को देखते हुए इसे चना सत्तू विद जीरा वैरिएंट में पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार पारंपरिक रेत-भूनाई विधि से तैयार इस उत्पाद में स्वाद और पौष्टिकता का विशेष ध्यान रखा गया है। 47 ग्राम के 10 रुपये वाले वैल्यू पैक में 10 ग्राम प्रोटीन उपलब्ध कराया गया है, जिससे यह हर वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए किफायती और पौष्टिक विकल्प बनता है। अनुज रुस्तगी, आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन में स्टेपल्स और एडजसेंसीज के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर ने कहा कि आशीर्वाद चना सत्तू के साथ, हम इस लोकप्रिय क्षेत्रीय खाद्य पदार्थ की प्रामाणिकता को आशीर्वाद की क्वालिटी और भरोसे के साथ जोड़ रहे हैं।